आश्विन शुक्ल - 9 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 69 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 01-10-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मेरे लिए राजनीति का आधार जाति नहीं, बल्कि बिहारी पहचान : चिराग पासवान

6 आरएसएस का शताब्दी वर्ष : संस्कार निर्माण की पाठशाला है संघ

7 परेश रावल की फिल्म 'द ताज स्टोरी' के पोस्टर से उठा विवाद

हार्दिक शुभकामनाएं

सभी पाठकों एवं विज्ञापनदाताओं को आयुद्ध पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं।

- व्यवस्थापक

फर्स्ट टेक

पाकिस्तान ने फतह-4 क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने मंगलवार को देश में ही विकसित क्रूज मिसाइल 'फतह-4' का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया। यह मिसाइल 750 किलोमीटर तक के लक्ष्य को भेद सकती है। पाकिस्तानी सेना ने यह जानकारी दी। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि 750 किलोमीटर की दूरी तक मार करने वाली मिसाइल का प्रक्षेपण किया गया है। पाकिस्तानी सेना के मुताबिक, ''अत्याधुनिक उपकरणों से लैस यह हथियार प्रणाली, दुश्मन की मिसाइल रक्षा प्रणाली को चकमा देने और उच्च परिशुद्धता के साथ लक्ष्य पर निशाना साधने में सक्षम है।''

अफगानिस्तान में इंटरनेट बंद

इस्लामाबाद/एपी। अफगानिस्तान में सोमवार को इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, अनैतिकता पर तालिबान की कार्रवाई के मद्देनजर इंटरनेट सेवाओं को संभावित रूप से देशव्यापी स्तर पर बंद कर दिया गया है। तालिबान के अगस्त 2021 में सत्ता पर काबिज होने के बाद यह पहली बार है जब अफगानिस्तान में इस तरह की बंद की कोई कार्रवाई हुई है। इस महीने की शुरुआत में तालिबान नेता हिबतुल्लाह अखुंदजादा द्वारा अनैतिकता को रोकने के लिए इंटरनेट सेवा पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी करने के बाद कई प्रांतों के 'फाइबर-ऑप्टिक कनेक्शन' बंद हो गए।

01-10-2025 सूर्यास्त 5:58 बजे	02-10-2025 सूर्योदय 5:58 बजे

BSE	NSE
80,267.62 (-97.32)	24,611.10 (-23.80)

सोना	चांदी
11,890 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	159,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पाँच साल बाद

वो ही मुद्दे वो ही बातें,
मंदिर मस्जिद के चले दाँव।
आंदोलन हड़तालें धरने,
आक्रोशित सूबे और गाँव।
गठबंधन जाति-समाजों के,
वादों नारों की काँव-काँव।
मायूस मयूरा जन मन का,
फिर देख रहा है थके पाँव।।

भारत परमाणु 'धमकी' से नहीं डरेगा

परमाणु हथियारों की चुनौती को हमारे सुरक्षा आकलन में शामिल करना समझदारी होगी : सीडीएस चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। भारत के सुरक्षा आकलन में परमाणु हथियारों से उत्पन्न संभावित चुनौतियों को ध्यान में रखा जाना चाहिए, क्योंकि ऐसा दृष्टिकोण प्रतिरोधक तंत्र में योगदान देगा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

जनरल चौहान ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत परमाणु 'धमकी' से नहीं डरेगा। उन्होंने कहा, ''हालांकि हमारे संदर्भ में परमाणु हथियारों के उपयोग की संभावना बहुत कम है, फिर भी इसे हमारी सुरक्षा आकलन में शामिल करना विवेकपूर्ण होगा।''

सीडीएस चौहान ने कहा, ''रेडियोधर्मी संदूषण के उपचार के लिए अलग प्रोटोकॉल की आवश्यकता होती है और यह हमारे प्रशिक्षण का हिस्सा होना चाहिए। परमाणु खतरों के विरुद्ध तैयारी, इसके उपयोग को रोकने में योगदान देती है। मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है।''

सीडीएस चौहान सैन्य नर्सिंग सेवा (एमएनएस) के शताब्दी समारोह का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

जनरल चौहान ने अपने संबोधन में युद्धों, शांति अभियानों, मानवीय राहत और समकालीन स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियों में एमएनएस की अपरिहार्य भूमिका को रेखांकित किया।

सीडीएस ने एक महिला पर्वतारोहण अभियान को भी हरी झंडी दिखाई।

समारोह का मुख्य आकर्षण एमएनएस का आधिकारिक गीत जारी करना था, जिसमें सेवा की परंपराओं, भावना और पेशेवर गौरव को दर्शाया गया।

यह गीत औपचारिक और आधिकारिक आयोजनों में गाया जाएगा, जो सेवा के दूसरे शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहे एमएनएस अधिकारियों के लिए एक एकीकृत प्रतीक के रूप में कार्य करेगा।

तीनों सेनाओं का एकीकरण अस्तित्व के लिए अहम : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान प्रदर्शित एकीकृत, तत्क्षण अभियानगत समन्वय के साथ तीनों सेनाओं का तालमेल निर्णायक परिणाम देने का एक जीवंत उदाहरण है, और इसे भविष्य की सभी सैन्य कार्रवाइयों के लिए मानक बनना चाहिए।

एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में सिंह ने इस बात पर प्रकाश डाला कि किस प्रकार भारतीय वायु सेना की एकीकृत वायु कमान और नियंत्रण प्रणाली ने सेना की आकाशतीर वायु रक्षा प्रणाली और भारतीय नौसेना की त्रिगुण के साथ मिलकर काम किया और यह भारत और पाकिस्तान के बीच सात से 10 मई तक चले संघर्ष के दौरान संयुक्त अभियान की रीढ़ बना।

तीनों सेनाओं के बीच तालमेल के महत्व को रेखांकित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि एकजुटता का मार्ग संवाद, समझ और परंपराओं के प्रति सम्मान में निहित है। उन्होंने कहा कि सेनाओं को एक-दूसरे की चुनौतियों का सम्मान करते हुए एक साथ मिलकर नई प्रणालियां बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार का मकसद तीनों सेनाओं के एकीकरण को और बढ़ावा देना है और यह न केवल नीतिगत मामला है, बल्कि तेजी से बदलते सुरक्षा माहौल में अस्तित्व का मामला भी है।

सिंह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, तीनों सेनाओं के तालमेल ने एक एकीकृत, तत्क्षण संचालन की तस्वीर तैयार की। इसने कमांडरों को समय पर निर्णय लेने, स्थितिजन्य जागरूकता बढ़ाने और अपने नुकसान के जोखिम को कम करने में सक्षम बनाया। यह निर्णायक परिणाम देने वाली एकजुटता का जीवंत उदाहरण है और यह सफलता भविष्य के सभी अभियानों के लिए एक मानक बननी चाहिए।'' सिंह भारतीय वायु सेना (आईएएफ) द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युद्ध के बदलते स्वरूप और पारंपरिक तथा गैर-पारंपरिक खतरों के जटिल अंतर्संबंध के कारण, संयुक्तता एक विकल्प के बजाय एक प्रमुख अभियानगत आवश्यकता बन गई है।

कर्नाटक: फसलों के नुकसान के लिए 8,500 रुपए प्रति हेक्टेयर के हिसाब से अतिरिक्त मुआवजा देने की घोषणा

कलबुर्गी (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को कहा कि शुरुआती अनुमानों के अनुसार राज्य में बारिश और बाढ़ के कारण 10 लाख हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्र पर फसलें बर्बाद हुई हैं और उनकी सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के तहत दी जाने वाली राशि के अलावा 8,500 रुपये प्रति हेक्टेयर के हिसाब से अतिरिक्त मुआवजा देगी। कलबुर्गी, बीदर, यादगिरी और विजयपुरा ज़िलों में बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद सिद्दरामय्या ने कहा कि राज्य सरकार केंद्र से फसलों और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे के लिए अतिरिक्त मुआवजे का अनुरोध करेगी।

भारत में मानसून के बाद सामान्य से अधिक वर्षा की संभावना : आईएमडी

नयी दिल्ली/भाषा। उत्तर-पश्चिम के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर भारत के अधिकांश भागों में अक्टूबर से दिसंबर के मानसून-पश्चात मौसम के दौरान सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। यह जानकारी भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को दी। चार महीने का दक्षिण-पश्चिम मानसून मौसम मंगलवार को समाप्त हो गया, जिसमें देश में सामान्य से आठ प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई। आईएमडी महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अक्टूबर-दिसंबर की अवधि में अधिकांश क्षेत्रों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की उम्मीद है, जबकि उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से लेकर सामान्य से कम वर्षा हो सकती है।

तमिलनाडु भगदड़ पर विजय ने कहा :

करूर का दौरा नहीं किया क्योंकि इससे 'असामान्य' स्थिति उत्पन्न हो सकती थी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अभिनेता एवं तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) पार्टी के संस्थापक विजय ने तमिलनाडु के करूर में अपनी एक रैली में मची भगदड़ में 41 लोगों की मौत के कुछ दिन बाद मंगलवार को कहा कि उन्होंने अभी तक प्रभावित लोगों से मुलाकात नहीं की है, क्योंकि उनकी वहां मौजूदगी से असामान्य स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। अभिनेता विजय ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में कभी ऐसी दुखद स्थिति का सामना नहीं किया। उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को चुनौती दी कि वे उनके साथ कुछ भी कर सकते हैं, लेकिन उनकी पार्टी के सहयोगियों के साथ नहीं।

उन्होंने अपने सोशल मीडिया पेज पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में कहा, ''मैंने करूर का दौरा नहीं किया क्योंकि इससे असामान्य स्थिति उत्पन्न हो सकती थी। मैं जल्द ही आपसे (पीड़ितों और घायलों के परिवारों से) मिलूंगा।'' विजय ने कहा कि घटना का सच जल्द ही सामने आएगा और उन्होंने संकेत दिया कि वह कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, ''आप मेरे साथ कुछ भी कर सकते हैं।''

विजय ने यह बात ऐसे समय कही जब उनके पार्टी सहयोगियों के खिलाफ 27 सितंबर को तमिलनाडु के पश्चिमी करूर जिले में हुई भगदड़ के सिलसिले में पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस ने टीवीके के जिन नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है उनमें पार्टी के वरिष्ठ नेता बस्सी एन आनंद और सीटीआर निर्मल कुमार शामिल हैं। करूर जिला राजधानी चेन्नई से लगभग 400 किलोमीटर दूर है। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) को आड़े हाथ लेते हुए उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री महोदय, अगर आपके मन में बदला लेने का विचार है, तो आप मेरे साथ कुछ भी कर सकते हैं लेकिन पार्टी के लोगों को नहीं छू सकते।'' उन्होंने दावा किया कि घटना वाले दिन, लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, वह करूर से जल्दी निकल गए थे।

'विजय की रैली में बिजली गुल हो जाना, संकरी जगह, कुछ तो गड़बड़ है' : हेमा मालिनी

करूर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद हेमा मालिनी ने मंगलवार को दावा किया कि करूर में तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय की रैली के दौरान आयोजन स्थल के संकरा होने और कार्यक्रम के दौरान बिजली गुल हो जाने में कुछ तो 'गड़बड़' लगता ही है, क्योंकि ये बातें स्वाभाविक नहीं हो सकती हैं। हेमा मालिनी 27 सितंबर को वेलुसामीपुरम में हुई भगदड़ से जुड़ी परिस्थितियों की जांच के लिए यहां आये राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के आठ-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही हैं। इस भगदड़ में 41 लोगों की जान चली गयी और लगभग 60 घायल हो गए थे। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन द्वारा कार्यक्रम के वास्ते 'संकरा आयोजन स्थल' मुहैया कराया जाना 'अनपयुक्त' है। हेमा मालिनी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''विजय की रैली के दौरान बिजली गुल हो गई थी। कुछ गड़बड़ लग रहा है, यह स्वाभाविक नहीं है।''

चेन्नई में निर्माणाधीन इमारत के ढहने से नौ प्रवासी मजदूरों की मौत

चेन्नई/भाषा। एन्नोर थर्मल पावर स्टेशन की एक निर्माणाधीन इमारत के मंगलवार को ढह जाने से नौ प्रवासी श्रमिकों की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने नौ लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' में कहा, मुझे यह सुनकर दुख हुआ है कि एन्नोर में बीएचईएल द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्य के दौरान हुई दुर्घटना में असम के नौ श्रमिकों की जान चली गई। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। मुख्यमंत्री ने विद्युत मंत्री एसएस शिवशंकर और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी तथा तमिलनाडु जनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टीएएनजीईडीसीओ) के अध्यक्ष के राधाकृष्णन को दुर्घटना स्थल पर तत्काल राहत कार्य की निगरानी करने का आदेश दिया। स्टालिन ने प्रत्येक मृतक के परिवार को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की और आदेश दिया कि पार्थिव शरीर को उनके गृह राज्य पहुंचाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

भारत दुनिया का नया निर्माता, हम चाहते हैं कि वह हमारे क्षेत्र का भी निर्माण करे : इजराइल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ट्रंप और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच व्हाइट हाउस में हुई बातचीत के बाद प्रस्तुत की गई इस योजना में गाजा में युद्ध को तत्काल समाप्त करने और हमास द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों को 72 घंटों के भीतर रिहा करने का प्रस्ताव है।

नई दिल्ली/भाषा। भारत में इजराइल के राजदूत रियूवेन अजार ने मंगलवार को कहा कि गाजा के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति योजना भारत जैसे देशों को इस क्षेत्र में पुनर्निर्माण गतिविधियां चलाने की अनुमति देगी, क्योंकि नई दिल्ली पश्चिम एशिया में शांति के लिए सकारात्मक भूमिका निभा रहा है।

राजदूत ने ट्रंप की 20-सूत्री शांति योजना पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिक्रिया का भी स्वागत किया और कहा कि भारत इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

ट्रंप और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच व्हाइट हाउस में हुई बातचीत के बाद प्रस्तुत की गई इस योजना में गाजा में युद्ध को तत्काल समाप्त करने और हमास द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों को 72 घंटों के भीतर रिहा करने का प्रस्ताव है।

हमास ने कहा है कि वह इस शांति योजना का अध्ययन कर रहा है और उसके बाद ही अपनी प्रतिक्रिया देगा।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए ट्रंप द्वारा की गई व्यापक योजना की घोषणा का स्वागत किया।

मोदी ने अपने पोस्ट में कहा, ''हम गाजा में संघर्ष समाप्त कराने संबंधी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप की एक व्यापक योजना की घोषणा का स्वागत करते हैं। यह (योजना) फलस्तीनी और इजराइली लोगों के साथ-साथ व्यापक पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक और स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यवहार्य मार्ग प्रदान करती है।''

यह पूछे जाने पर कि क्या शांति योजना को अंतिम रूप दिए जाने से पहले भारत को इसकी जानकारी दी गई थी, अजार ने संवाददाताओं से कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है।

पाकिस्तान और भारत का संघर्ष बहुत बड़ा था, मैंने उसे सुलझाया : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को एक बार फिर दावा किया कि उन्होंने परमाणु शक्ति संपन्न भारत और पाकिस्तान के बीच 'बहुत बड़े' संघर्ष को सुलझाया था।

ट्रंप ने क्वांटिको में सैन्य नेताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''जब से हम यहां (पद पर) आए हैं, मैंने कई युद्ध सुलझाए हैं। हम लगभग नौ महीने से पद पर हैं, और मैंने सात युद्ध सुलझाए हैं। और कल हमने शायद उनमें से सबसे बड़े युद्ध को सुलझाया। हालांकि मुझे नहीं पता, पाकिस्तान (और) भारत (के बीच संघर्ष) बहुत बड़ा था, दोनों परमाणु शक्तियां हैं। मैंने इसे सुलझाया।''

गाजा संघर्ष को समाप्त करने की सोमवार को घोषित अपनी योजना का जिक्र करते हुए, ट्रंप ने कहा, ''हमने इसे सुलझा लिया है, मुझे लगता है कि यह सुलझा लिया गया है। देखते हैं। हमास को सहमत होना होगा, और अगर वे सहमत नहीं होते हैं, तो यह उनके लिए बहुत कठिन होगा, लेकिन जो है सो है। लेकिन सभी अरब राष्ट्र, मुस्लिम राष्ट्र, सहमत हो गए हैं।''

गत 10 मई को, ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वाशिंगटन की मध्यस्थता में एक लंबी बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान 'पूर्ण और तत्काल' युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं, तब से उन्होंने लगभग 50 बार यह दावा दोहराया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का 'समाधान निकालने में मदद की' है।

पिछले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र के मंच से विश्व नेताओं को संबोधित करते हुए, ट्रंप ने अपना यह दावा दोहराया था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को रोका था।

भारत लगातार यह कहता रहा है कि पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष समाप्त करने पर सहमति दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच सीधी बातचीत के बाद बनी थी।

बारिश और बाढ़ से करीब 60 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को नुकसान, राहत पैकेज अगले सप्ताह : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, बारिश और बाढ़ से राज्य में 60 लाख हेक्टेयर भूमि को नुकसान पहुंचा है और सरकार ने प्रभावित लोगों को सभी सुविधाएं मुहैया कराने का फैसला किया है, जो सूखे जैसी स्थिति में दी जाती हैं।

हालांकि, फडणवीस ने विपक्ष की मांग के अनुसार ''ओला दुष्काल'' घोषित नहीं किया और कहा कि आधिकारिक नियमावली में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।

मराठी में 'ओला दुष्काल' वह स्थिति है जिसमें किसी विशेष क्षेत्र में कुछ समय तक लगातार या अत्यधिक वर्षा होती है, जिसके परिणामस्वरूप फसलें नष्ट हो जाती हैं और बाढ़ से जान-माल की हानि होती है। उन्होंने कहा कि क्षति का आकलन अगले दो से तीन दिनों में पूरा हो जाएगा और अगले सप्ताह एक व्यापक नीति की घोषणा की जाएगी।

फडणवीस ने मंत्रिमंडल की साप्ताहिक बैठक की अध्यक्षता करने के बाद संवाददाताओं से कहा, ''सभी आकलन पूरे होने के बाद, राहत पैकेज के लिए केंद्र को एक ज्ञापन भेजा जाएगा। इस बीच, राज्य सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगा। केंद्रीय कोष प्रतिपूर्ति की तरह होगा। सरकार (भारी बारिश और बाढ़ से हुए) नुकसान के लिए राहत पैकेज की घोषणा अगले सप्ताह करेगी।'' उन्होंने कहा कि अगस्त तक फसल नुकसान के लिए 2,215 करोड़ रुपए की सहायता राशि का वितरण शुरू हो गया है।

फडणवीस ने कहा, ''प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, 60 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को नुकसान हुआ है।'' उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि दिवाली से पहले उनके बैंक खातों में राहत राशि जमा हो जाएगी।

फडणवीस ने कहा, ''बारिश के कारण ओला दुष्काल की मांग उठाई गई है। हालांकि, आधिकारिक नियमावली में ऐसा (ओला दुष्काल) कोई उल्लेख नहीं है। बारिश के कारण ओला दुष्काल की कभी घोषणा नहीं की गई, लेकिन हमने प्रभावित लोगों को सूखे से संबंधित सभी लाभ देने का फैसला किया है।''

पिछले सप्ताह हुई मूसलाधार बारिश और बाढ़ के चलते मराठवाड़ा के आठ जिलों और पश्चिमी महाराष्ट्र के सोलापुर, सतारा और सांगली सहित महाराष्ट्र के कई हिस्सों में लाखों एकड़ भूमि पर लगी फसलों को नुकसान पहुंचा।

जब किसान अस्तित्व के संकट से जूझ रहे हैं, वैसे समय में बैंकों द्वारा किसानों को ऋण वसूली नोटिस जारी करने के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने स्पष्ट किया कि ये नोटिस पुरानी वसूली के लिए हैं। उन्होंने कहा, ''बैंकों को इस प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ाने का निर्देश दिया जाएगा।''

उच्च, निम्न आय वाले राज्यों के जीडीपी में योगदान का अंतर चिंताजनक : नीति उपाध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने कहा है कि उच्च आय वाले राज्यों में देश की 26 प्रतिशत आबादी रहती है लेकिन वे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 44 प्रतिशत योगदान देते हैं। वहीं निम्न आय वाले राज्य 38 प्रतिशत आबादी के बावजूद जीडीपी में सिर्फ 19 प्रतिशत ही योगदान दे रहे हैं।

बेरी ने सोमवार को यहां हैदराबाद विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में आयोजित छठे आर्थिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उच्च एवं निम्न आय वाले राज्यों के बीच का यह अंतर चिंताजनक है। उन्होंने कहा, ''ऐसी स्थिति में तमिलनाडु जैसे राज्यों के लिए विकास की जो रणनीति उपयुक्त होगी, वह बिहार या उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के लिए भी कारगर नहीं हो सकती है।''

बेरी ने कहा, ''बात यह है कि अंतर बना हुआ है और हमें इसके बारे में फिक्रमंद होने की जरूरत है। उच्च आय वाले राज्यों में जनसंख्या का 26 प्रतिशत हिस्सा है, लेकिन जीडीपी में 44 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वहीं निम्न आय वाले राज्यों में जनसंख्या का 38 प्रतिशत हिस्सा है लेकिन जीडीपी में केवल 19 प्रतिशत हिस्सेदारी है।'' उन्होंने कहा कि वैश्विक संदर्भ में भी यह सिद्धांत लागू होता है कि जितना पिछड़ा क्षेत्र होगा, उसके तेजी से बढ़ने की संभावना उतनी ही अधिक होगी।

बेरी ने कहा कि तथाकथित 'बीमारू' राज्यों में से कुछ अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और यह मानने का कोई कारण नहीं है कि कोई राज्य हमेशा पिछड़ा ही रहेगा।

परंपरागत तौर पर कम विकास की वजह से बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश को 'बीमारू' राज्य कहा जाता रहा है।

रोजगार पर आंकड़े साझा करते हुए बेरी ने बताया कि कुल रोजगार में 15 करोड़ की वृद्धि हुई है, जिनमें आठ करोड़ महिलाएं कृषि कार्य में शामिल हुई हैं। इनमें से चार करोड़ महिलाएं बिना वेतन के पारिवारिक काम करती हैं, लेकिन उन्हें भी घरेलू आर्थिक इकाई में योगदान देने वाला माना जाता है।

लेह में एक सप्ताह के कर्फ्यू के बाद पूरे दिन के लिए पाबंदियों में दी गई ढील, बाजारों में लौटे लोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेह/भाषा। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के हिंसा प्रभावित लेह शहर में मंगलवार को लगभग पूरे दिन के लिए कर्फ्यू में ढील दी गई, जिसके बाद बाजार धीरे-धीरे खुल गए और सप्ताह भर से लगे प्रतिबंधों से जूझ रहे लोगों को राहत मिली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

इससे पहले सोमवार को शाम चार बजे से दो घंटे के लिए प्रतिबंधों में ढील दी गई थी। यह 24 सितंबर को प्रदर्शनकारियों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों के बीच व्यापक झड़पों में जान गंवाने वाले एक सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी सहित चार लोगों के अंतिम संस्कार के तुरंत बाद किया गया था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, पिछले बुधवार को हुई हिंसा को छोड़कर, कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। संवेदनशील इलाकों में पुलिस और अर्द्धसैन्य बलों की बड़ी संख्या में तैनाती की गई है और वे कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ी निगरानी रख रहे हैं। मंगलवार को कर्फ्यू में पहले सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक ढील दी गई थी और बाद में इसे शाम पांच बजे तक बढ़ा दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति कुल मिलाकर शांतिपूर्ण रहने के कारण अधिकारियों ने शाम पांच बजे के बाद प्रतिबंध नहीं लगाए, लेकिन दुकानदारों ने छूट की समय सीमा समाप्त होने पर स्वयं ही अपने प्रतिष्ठानों के शटर गिरा दिए। उन्होंने बताया कि पाबंदियों में ढील के बाद बाजारों में लोग उमड़ पड़े और सभी मार्गों पर वाहन भी चले, लेकिन शैक्षणिक संस्थान बंद रहे।

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाक को करारा जवाब देने का मौका गंवा दिया : ओवैसी

पुणे/भाषा। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद सरकार ने राष्ट्रीय भावना की अनदेखी करते हुए सैन्य कार्रवाई रोककर पाकिस्तान को ''करारा'' जवाब देने का अवसर गंवा दिया। हैदराबाद के सांसद ओवैसी ने यहां पत्रकारों से कहा,''एक भारतीय के तौर पर मैं कहना चाहूंगा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद हमारे पास पाकिस्तान को करारा जवाब देने का मौका था। मुझे आश्चर्य हो रहा है कि उसने (केंद्र सरकार ने) इसे क्यों रोक दिया।'' उन्होंने कहा कि युद्ध का माहौल बना हुआ था क्योंकि पाकिस्तान द्वारा छोड़े गए ड्रोन गुजरात से कश्मीर तक पश्चिमी सीमाओं पर मंडरा रहे थे।

ओवैसी ने कहा, ''पूरा देश पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए तैयार था, लेकिन आपने (सरकार ने) रोक दिया। ऐसे मौके दोबारा नहीं आते, लेकिन सरकार ने मौका गंवा दिया।'' उनका इशारा भारत द्वारा पड़ोसी देश में आतंकवादी ठिकानों और हवाई अड्डों पर हमला करने के बाद सैन्य कार्रवाई रोकने की ओर था।

आधिकारिक तौर पर, भारत का कहना है कि सशस्त्र बलों द्वारा शुरू किया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' केवल रोका गया है, समाप्त नहीं किया गया है।

भूजल संसाधन को बचाने के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली समय की मांग: पंजाब मंत्री गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

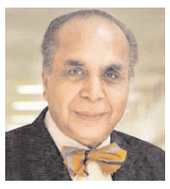

मोहाली/भाषा। पंजाब के मृदा एवं जल संरक्षण मंत्री बी के गोयल ने कहा कि राज्य में तेजी से घटते भूजल संसाधनों को बचाने और विशेष रूप से आलू की खेती में, फसल उत्पादकता को बढ़ाने के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों को बढ़ावा देना समय की मांग है।

मंत्री ने आलू की खेती में सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा देने पर यहां आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि ड्रिप और स्प्रिंकलर प्रणालियों वाली सूक्ष्म सिंचाई न केवल पानी का उचित उपयोग सुनिश्चित करती है, बल्कि जड़ों तक सीधे उर्वरकों और कीटनाशकों के कुशल उपयोग को भी सक्षम बनाती है। उन्होंने कहा, ''इन प्रणालियों को अपनाने से किसानों को 50 प्रतिशत तक पानी बचाने में मदद मिलती है, साथ ही प्रति एकड़ उपज और उपज की गुणवत्ता में भी सुधार होता है।'' आलू उत्पादन में पंजाब की मजबूती का जिक्र करते हुए, गोयल ने कहा कि राज्य देश के उत्तम गुणवत्ता वाले आलू के बीज के रूप में अपने उत्पादन में लगभग 60% का योगदान देता है। मंत्री ने कहा कि सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली की स्थापना के लिए राज्य सरकार 80% सब्सिडी प्रदान करती है, जबकि महिलाओं, लघु, सीमांत और अनुसूचित जाति के किसानों के लिए 90 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान की जाती है। कार्यक्रम का कार्यान्वयन पूरी तरह से ऑनलाइन है। किसान घर बैठे इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। पंजाब सरकार कई पहल के माध्यम से जल संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।

रिजर्व बैंक ने छह सदस्यीय भुगतान नियामक बोर्ड का गठन किया

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को देश में भुगतान प्रणालियों के कामकाज की निगरानी के लिए छह सदस्यीय भुगतान नियामक बोर्ड का गठन किया। इसमें केंद्र सरकार के तीन नामित सदस्य शामिल हैं। भुगतान नियामक बोर्ड (पीआरबी), भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड की एक समिति, भुगतान और निपटान प्रणाली विनियमन और पर्यवेक्षण बोर्ड (बीपीएसएस) का स्थान लेगा। इस बोर्ड के प्रमुख गवर्नर हैं। पांच सदस्यीय बीपीएसएस का नेतृत्व भी रिजर्व बैंक के गवर्नर करते थे, लेकिन इसमें कोई सरकारी नामित सदस्य शामिल नहीं हैं। पीआरबी में रिजर्व बैंक के अन्य दो सदस्य डिप्टी गवर्नर और भुगतान और निपटान प्रणालियों के प्रभारी कार्यकारी निदेशक हैं। बोर्ड में सरकार के नामित सदस्यों में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव और पूर्व दूरसंचार सचिव अरुणा सुंदरराजन हैं।

'न्यूजीलैंड के साथ सहयोग से हिमाचल प्रदेश की बागवानी को बढ़ावा मिलेगा'

शिमला/भाषा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मंगलवार को कहा कि हिमाचल प्रदेश और न्यूजीलैंड में कई समानताएं हैं और बागवानी, विशेष रूप से सेब और नाशपाती के क्षेत्र में सहयोग से राज्य के फल उत्पादकों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। सुक्खू ने उद्यायुक्त पैट्रिक जॉन राटा के नेतृत्व में उनसे मिलने आए न्यूजीलैंड के एक प्रतिनिधिमंडल से कहा कि हिमाचल प्रदेश न्यूजीलैंड की उन्नत बागवानी पद्धतियों, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और किसान क्षमता निर्माण से लाभान्वित हो सकता है। यहां जारी एक बयान के अनुसार, इस तरह के सहयोग से उत्पादकता में सुधार, कटाई के बाद के प्रबंधन को मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीश् गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में मदद मिलेगी, जिससे हिमाचल के उत्पादों की वैश्विक प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यूजीलैंड के विशेषज्ञ उच्च-घनत्व वाले वृक्षारोपण, बाग प्रबंधन, कीट और रोग नियंत्रण, भंडारण और विपणन रणनीतियों जैसे क्षेत्रों में तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं।

रेलवे तय समय में माल पहुंचाने वाली ट्रेन चलाएगा, एक अक्टूबर से प्रायोगिक परीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेलवे तय समय में माल पहुंचाने की गारंटी के साथ कंटेनर ट्रेन का परिचालन शुरू करने जा रहा है। दिल्ली-कोलकाता के बीच पहली पायलट कंटेनर ट्रेन एक अक्टूबर को रवाना होगी।

रेल अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि यह ट्रेन दिल्ली के तुगलकाबाद से चलेगी और आगरा एवं कानपुर के रास्ते कोलकाता पहुंचेगी। रेलवे ने इस ट्रेन के 120 घंटे में गंतव्य तक पहुंचने की गारंटी दी है। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह सेवा कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकॉर) द्वारा चलाई जाएगी। अपने सफर में यह ट्रेन चार इनलैंड कंटेनर डिपो (आईसीडी) को जोड़ेगी। इनमें तुगलकाबाद, आगरा, कानपुर और कोलकाता के डिपो शामिल हैं। रेलवे बोर्ड ने एक बयान में कहा कि यह ट्रेन सप्ताह में दो दिन बुधवार और शनिवार को चलेगी।

रेलवे बोर्ड के अनुसार, इस ट्रेन के चलने से आगरा और कानपुर में बनाए गए लॉजिस्टिक केंद्र से आसपास के क्षेत्रों का माल इकट्ठा कर ट्रेन में भेजना आसान और तेज हो जाएगा। इसके अलावा तुगलकाबाद से कानपुर के बीच खाली वैगनों के लिए कोई शुल्क नहीं लगेगा, जिससे माल भेजने की लागत कम होगी और ग्राहकों को फायदा होगा। रेल मंत्रालय ने कहा कि यह पायलट परियोजना समय के लिहाज से संवेदनशील माल की भरोसेमंद आपूर्ति सुनिश्चित करेगी, सड़क परिवहन के लिए प्रतिस्पर्धी विकल्प, उत्तरी इलाकों के कार्गो के लिए बेहतर कनेक्टिविटी और शुरुआती ग्राहकों के लिए प्राथमिकता जैसी सुविधाएं प्रदान करेगी। मंत्रालय के मुताबिक, यह पहल टिकाऊ विकास और हरित लॉजिस्टिक क्षमता को बढ़ावा देती है, क्योंकि यह माल वहन को सड़क से रेल पर ले जाने को प्रोत्साहित करती है, कार्बन उत्सर्जन कम करती है और भारत की पर्यावरण प्रतिबद्धता का समर्थन करती है।

रिलायंस इन्फ्रा के खिलाफ फेमा जांच के तहत ईडी ने महाराष्ट्र, मप्र में तलाशी ली

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)ने मंगलवार को अनिल अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के खिलाफ फेमा जांच के तहत महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में तलाशी ली। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुंबई और इंदौर के महू में कम से कम छह परिसरों पर छापेमारी की गई। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ये तलाशी विदेश में कुछ अवैध धन प्रेषण के आरोपों पर रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के खिलाफ चल रही विदेशी मुद्रा विनिमय प्रबंधन अधिनियम (फेमा) जांच का हिस्सा है।

ईडी पहले से ही धन शोधन निवारण अधिनियम के आपराधिक प्रावधानों के तहत अनिल अंबानी के समूह की कई कंपनियों, जिनमें रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर (आर इंफ्रा) भी शामिल है, द्वारा कथित वित्तीय अनियमितताओं और 17,000 करोड़ रुपए से अधिक के सामूहिक ऋण 'डायवर्जन' की जांच कर रही है। पीएमएलए के तहत एजेंसी की यह कार्रवाई सेबी की रिपोर्ट के बाद हुई, जिसमें आरोप लगाया गया था कि आर इंफ्रा ने सीएलई नामक एक कंपनी के माध्यम से रिलायंस समूह की कंपनियों में अंतर-कॉर्पोरेट जमा (आईसीडी) के रूप में धन दूसरे कामों में लगाया।

न्यायाधीशों को 'मीडिया ट्रायल' और जन समीक्षा से प्रभावित नहीं होना चाहिए : न्यायमूर्ति रोशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश दीपक रोशन ने मंगलवार को कहा कि न्यायाधीशों को चर्चित मामलों में फैसला करते समय कभी भी 'मीडिया ट्रायल' या जन समीक्षा से प्रभावित नहीं होना चाहिए।

न्यायमूर्ति रोशन ने 'इंडिया इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लीगल एजुकेशन एंड रिसर्च' (आईआईयूएलईआर) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हालांकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) वर्तमान न्यायिक प्रणाली की जगह नहीं लेगी, लेकिन यह नियमित कार्यों को निपटाने में महत्वपूर्ण रूप से सहायता कर सकती है और समग्र दक्षता में सुधार कर सकती है।

उन्होंने दक्षिण गोवा में भारतीय विधिज्ञ परिषद न्यास द्वारा संचालित विधि संस्थान आईआईयूएलईआर के छात्रों के साथ एक संवाद सत्र के दौरान न्यायिक आचरण के विभिन्न पहलुओं और उभरते कानूनी परिदृश्य पर अपने विचार साझा किये।

संवाद के दौरान न्यायमूर्ति रोशन से सवाल किया गया था कि विशेष रूप से जन सक्रियता और मीडिया के युग में चर्चित मामलों में फैसला सुनाते समय वे कैसे अप्रभावित रहते हैं? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि एक न्यायाधीश को वस्तुनिष्ठ होना चाहिए और निष्पक्ष सुनवाई के सिद्धांतों को कायम रखना चाहिए।

न्यायमूर्ति रोशन ने कहा, ''मीडिया ट्रायल से प्रभावित होना कानून के शासन के सिद्धांत और निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार के विरुद्ध है।'' उन्होंने रेखांकित किया कि न्यायाधीशों को अपने निर्णय लेने में आत्मविश्वास रखना चाहिए तथा मीडिया में चल रहे विमर्श पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

न्यायमूर्ति रोशन ने अक्सर बहस में रहने वाले इस विषय पर भी बात की कि क्या न्यायाधीशों को स्वयं को सामाजिक दायरे से अलग कर लेना चाहिए। उन्होंने कहा, ''सामाजिक जीवन भी आवश्यक है। मैं इससे परहेज नहीं करता।''

न्यायमूर्ति रोशन ने कहा कि न्यायाधीशों के लिए समाज के साथ संबंध बनाए रखना महत्वपूर्ण है, बशर्ते उनका न्यायिक आचरण पारदर्शी और निष्पक्ष बना रहे। उन्होंने कहा, ''जब तक न्यायाधीश की कलम न्यायसंगत है, तब तक सामाजिक मेलजोल में कोई बुराई नहीं है। ऐसे में, लोगों के साथ समय बिताने के लिए न्यायाधीश पर कोई सवाल नहीं उठा सकता।''

न्यायमूर्ति रोशन ने नवनियुक्त न्यायाधीशों को सलाह दी कि वे जल्दबाजी से बचें, विशेषकर प्रारंभिक वर्षों में, तथा पक्षपात या त्रुटि के जोखिम को न्यूनतम करने के लिए केवल रिकॉर्ड में उपलब्ध सामग्री के आधार पर निर्णय दें।

भारत में 40 प्रतिशत चिकित्सक अपने कामकाज में करते हैं एआई का इस्तेमाल: रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। भारत में 40% से अधिक चिकित्सक कामकाज में एआई तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं और पिछले वर्ष की तुलना में इसमें तीन गुना वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल 12% चिकित्सक एआई का इस्तेमाल कर रहे थे। नीदरलैंड वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी से जुड़ी संस्था एल्सेवियर की रिपोर्ट में बताया कि भारत में एआई के इस्तेमाल की दर वैश्विक औसत 48% से अधिक है और भारत अमेरिका (36%) व ब्रिटेन (34%) से आगे है। भारत में एल्सेवियर हेल्थ के अध्यक्ष शंकर कौल ने कहा, भारत के चिकित्सक एआई को अपनाने में उल्लेखनीय तेजी और उत्साह दिखा रहे हैं। 'क्लिनिशियन ऑफ द फ्यूचर 2025' रिपोर्ट के लेखकों ने लिखा है, भारत में 41% चिकित्सकों ने कामकाज में एआई का उपयोग किया है, जो पिछले वर्ष के 12% के आंकड़े से तीन गुना अधिक है।

पूर्ण राज्य के दर्जे के लिए भाजपा से गठबंधन करने के बजाय इस्तीफा दे दूंगा : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि वह केंद्र शासित प्रदेश के वास्ते पूर्ण राज्य का दर्जा जल्द बहाल कराने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन करने के बजाय इस्तीफा दे देंगे।

अनंतनाग जिले के अचबल क्षेत्र में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि वह राज्य का दर्जा पाने के लिए कोई राजनीतिक समझौता करने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा, अगर आप (लोग) तैयार हैं, तो मुझे बताएं, क्योंकि मैं उस सौदे को करने के लिए तैयार नहीं हूं। अगर सरकार में भाजपा को शामिल करना ज़रूरी है, तो मेरा इस्तीफा स्वीकार करें। यहां किसी भी विधायक को मुख्यमंत्री बनाएं और भाजपा के साथ सरकार बनाएं। अब्दुल्ला ने कहा कि अगर उन्होंने सरकार में भाजपा को शामिल किया होता, तो पूर्ण राज्य का दर्जा जल्दी बहाल हो सकता था। उन्होंने कहा, क्या हमें सरकार में भाजपा को शामिल करना चाहिए था? एक संभावना थी कि भाजपा को सरकार में शामिल करके, हमें एक उपहार मिल सकता था। वे हमें राज्य का पूर्ण दर्जा जल्दी दे देते। साल 2015 में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी)-भाजपा के बीच हुए गठबंधन का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तब भी भाजपा को शामिल किए बिना जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाई जा सकती थी। अब्दुल्ला ने कहा, कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) तैयार थे। भाजपा को सरकार से बाहर रखा जा सकता था। लेकिन भाजपा को प्रतिनिधित्व देने का बहाना बनाया गया। अब्दुल्ला नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष भी हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने भाजपा को शामिल किये बिना जम्मू को प्रतिनिधित्व दिया। अब्दुल्ला ने कहा, हमने पीर पंजाल और जम्मू के निचले इलाकों को प्रतिनिधित्व दिया। आज उपमुख्यमंत्री जम्मू से हैं, वह भी भाजपा के शामिल हुए बिना।

ईडी ने ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में की उर्वशी रौतेला से पूछताछ

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अभिनेत्री और मॉडल उर्वशी रौतेला से '1एक्स बीईटी' नामक एक ऑनलाइन सट्टेबाजी और गेमिंग प्लेटफॉर्म से जुड़े धनशोधन मामले में पूछताछ की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उर्वशी रौतेला (31) इस प्लेटफॉर्म की भारत में एंबेसडर है, जो कैरेबियाई द्वीप कुराकाओ में पंजीकृत है। सूत्रों ने बताया कि इस संघीय जांच एजेंसी ने धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत उसका बयान दर्ज किया है। पिछले कुछ सप्ताह में ईडी ने इस जांच के तहत युवराज सिंह, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा और शिखर धवन जैसे क्रिकेटरों तथा अभिनेता सोनू सूद, मिमी चक्रवर्ती (पूर्व टीएमसी सांसद) और अंकुश हाजरा (बंगाली सिनेमा कलाकार) से पूछताछ की है। कुछ चर्चित सोशल मीडिया हस्तियों से भी पूछताछ की गई है।

तमिलनाडु सरकार ने करूर रैली के दौरान नियमों की अनदेखी संबंधी वीडियो जारी किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने अभिनय से राजनीति में आए विजय की करूर रैली में नियमों का उल्लंघन दर्शाने वाले वीडियो मंगलवार को जारी किए।

राज्य सरकार ने दावा किया कि रैली में अनुमानित भीड़ से दोगुनी संख्या में लोग एकत्र हुए जिससे काफी कठिनाइयां हुईं। राज्य सरकार ने (तमिलगा वेत्री कषगम प्रमुख विजय की रैली में भगदड़ पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया और मीडिया पर किए जा रहे कई दावों के मद्देनजर) वीडियो रिकॉर्डिंग दिखाकर भगदड़ और संबंधित घटनाओं पर कुछ बुनियादी तथ्यों की जानकारी दी और ऐसे पहलुओं पर अपने रुख से अवगत कराया।

सरकारी प्रवक्ता एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की वरिष्ठ अधिकारी पी. अमुधा के नेतृत्व में अधिकारियों की एक टीम ने यहां फोर्ट सेंट जॉर्ज स्थित सचिवालय में संवाददाताओं को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी और वीडियो साझा किये। स्वास्थ्य सचिव पी सेंथिलकुमार और एडीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) एस डेविडसन देवसिरवधम ने भी अपनी बात रखी। सरकार ने अफवाहों, हिंसा भड़काने वाली सामग्री प्रकाशित करने या अफवाहें फैलाने के खिलाफ भी चेतावनी दी है।

सरकार की प्रेस वार्ता अभिनय से राजनीति में आए विजय द्वारा एक वीडियो जारी करने के कुछ समय बाद हुई। विजय ने वीडियो जारी कर भगदड़ पर अपना रुख स्पष्ट किया था और दावा किया था कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया। इन वीडियो में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) कार्यकर्ताओं द्वारा मानदंडों का उल्लंघन दिखाया गया है, जो नमक्कल और करूर में छतों पर चढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि टीवीके द्वारा प्रस्तावित रैली स्थल करूर राउंडटाना को पेट्रोल पंप और सीवेज नहर के निकट होने के कारण अस्वीकार कर दिया गया था। अमुधा ने स्पष्ट किया कि रैली के दौरान बिजली आपूर्ति बंद नहीं की गई थी। उन्होंने कहा, टीवीके द्वारा अनुमानित 10,000 की भीड़ दोगुनी हो गई; साथ ही अभिनेता विजय के पीछे आने वाली भीड़ के कारण यह संख्या 25,000 से अधिक हो गई।

एडीजीपी देवसिरवधम ने कहा कि पुलिस ने विजय को अत्यधिक भीड़' के कारण निर्धारित स्थान से 50 मीटर पहले रुकने के लिए कहा था, लेकिन आयोजक ने ऐसा नहीं किया। अमुधा के अनुसार, ''भीड़ बिजली जनरेटर स्थल की ओर बढ़ी, जिससे वहां रोशनी के लिए लगाई गई बत्तियां खराब हो गईं। उन्होंने बताया, दोपहर से ही भीड़ बढ़ गई, कुछ लोग सुबह (कार्यक्रम स्थल पर) इकट्ठा हुए, जिससे उन्हें निर्जलीकरण और थकावट की समस्या हो गई। जब विजय का वाहन करूर में निर्धारित स्थान पर पहुंचा, तो भीड़ और बढ़ गई...।''

देवसिरवधम ने कहा कि रैली में विजय की एक झलक पाने के लिए लोग आगे बढ़े और धक्का-मुक्की करने लगे। पीड़ितों के पोस्टमार्टम के बारे में स्वास्थ्य सचिव सेंथिल कुमार ने कहा कि शोक संतप्त परिवारों की व्यग्रता को कम करने के लिए प्रक्रियाएं अपनाई गईं। सरकार द्वारा जारी एक अन्य वीडियो में प्रशंसकों को मोटरसाइकिल पर विजय की प्रचार बस का पीछा करते हुए दिखाया गया, जो दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

एक अन्य क्लिप में एक और घटना दिखाई गई, जिसमें एक वाहन ने बस (जिसमें विजय यात्रा कर रहे थे) का पीछा किया। इसके अलावा, क्लिप में यातायात नियमों का उल्लंघन, गलत रास्ते पर चलते वाहन वगैरह भी दिखाए गए। देवसिरवधम ने कहा कि मदुरै, विल्लुपुरम, तिरुचिरापल्ली, नमक्कल और करूर में विजय के अभियान के परिणामस्वरूप सड़क दुर्घटनाओं की बाढ़ आ गई। उन्होंने बताया, सड़क दुर्घटनाओं के कारण करूर में सबसे अधिक 114 लोग घायल हुए, जबकि विल्लुपुरम में 42, मदुरै में 14 और तिरुचिरापल्ली में 12 लोग घायल हुए।

तमिलनाडु भगदड़ : राजग प्रतिनिधिमंडल ने रैली स्थल के चयन पर उठाए सवाल, अधिकारियों से करेगा पूछताछ

करूर। तमिलनाडु के करूर में 27 सितंबर को टीवीके की एक रैली में मची भगदड़ की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए गठित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने रैली स्थल के चयन पर मंगलवार को सवाल उठाए। प्रतिनिधिमंडल की प्रमुख और भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने इस घटना का जिक्र करते हुए कहा कि राजनीतिक रैलियों का उचित तरीके से और पूरी सुरक्षा के साथ आयोजन किया जाना चाहिए। इस रैली में मची भगदड़ में 41 लोगों की जान जा चुकी है। प्रतिनिधिमंडल इस घटना को लेकर राज्य सरकार के अधिकारियों से पूछताछ कर सकता है।

हेमा मालिनी ने कहा कि प्रशासन को सावधानी बरतनी चाहिए थी, लेकिन वह रैली का उचित आयोजन करने में विफल रहा। भगदड़ स्थल का दौरा करने के बाद उन्होंने कहा कि यह बहुत दुखद घटना थी। उन्होंने दावा किया कि अचानक बिजली गुल हो गई थी। उन्होंने सवाल किया, ऐसी बात पहले कभी नहीं सुनी गई, बिल्कुल अलग तरह की। तो इन सब चीजों के लिए कौन ज़िम्मेदार है। बच्चों समेत कई लोगों मौतों का जिक्र करते हुए उन्होंने पूछा: जिम्मेदारी किसकी है? प्रशासन की या आयोजकों की? हमें यह पता लगाना है।

रैलियों का नेतृत्व करने के अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस रोड शो के दौरान वाहनों को रोकने की इजाजत नहीं देती। उन्होंने कहा कि हालांकि करूर में, विजय जिस वाहन में सवार था, उसे एक संकरी जगह पर रोक दिया गया। भाजपा सांसद ने कहा कि ऐसी जगह पर 1,000 लोग भी खड़े नहीं हो सकते, लेकिन कार्यक्रम से पहले मौजूद लोगों की अनुमानित संख्या 10,000 थी। उन्होंने कहा कि विजय की भी यह ज़िम्मेदारी थी कि ज्यादा भीड़ न हो और सुरक्षा व्यवस्था ठीकठाक हो।

हेमा मालिनी ने कहा कि इसके अलावा, ऐसा लगता है कि टीवीके ने रैली के लिए कोई और जगह की मांग की थी, लेकिन उसे वहां आयोजन की इजाजत नहीं मिली। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य और भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि टीम अधिकारियों और आयोजकों से पूछताछ करेगी। उन्होंने कहा कि एक प्रश्नावली तैयार की गई है और अधिकारियों से उसके अनुसार प्रश्न पूछे जाएंगे। ठाकुर ने कहा, हमारा मानना है कि उच्चतम न्यायालय के एक वर्तमान न्यायाधीश को इस मामले को देखना चाहिए।

टीवीके नेता के सोशल मीडिया पोस्ट पर विवाद, द्रमुक ने की निष्कासन की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के नेता अधव अर्जुन द्वारा 'जेन जेड विद्रोह' को लेकर सोशल मीडिया पर मंगलवार को कथित तौर पर किए गए एक पोस्ट को लेकर विवाद खड़ा हो गया। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने अर्जुन के इस पोस्ट की कड़ी निंदा करते हुए उन्हें अभिनेता विजय के नेतृत्व वाली टीवीके से निष्कासित करने की मांग की है। अर्जुन ने 'एक्स' पर किए गए उक्त पोस्ट को अब हटा दिया है।

द्रमुक के उपमहासचिव ए राजा ने अर्जुन को अपना पोस्ट हटाने पर मजबूर करने के लिए राज्य की जनता को धन्यवाद ज्ञापित किया। राजा ने दावा किया कि यह पोस्ट भारत की संप्रभुता और अखंडता के खिलाफ है। द्रमुक नेता ने कहा, ''अधव अर्जुन ने पोस्ट किया, जिसमें कहा गया कि नेपाल की तरह यहां भी विद्रोह होना चाहिए (जाहिर तौर पर तमिलनाडु सरकार के खिलाफ)। हमारी विकास दर राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। तमिलनाडु एक शांतिपूर्ण राज्य है।'' राजा ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''यह (सोशल मीडिया पोस्ट) भारत की संप्रभुता और अखंडता के खिलाफ है और कड़ी आलोचना के बाद उन्होंने इसे हटा दिया। इसके लिए तमिलनाडु की जनता का धन्यवाद...।'' लोकसभा सदस्य राजा ने विजय का नाम लिए बिना पूछा कि क्या उन्होंने अर्जुन की टिप्पणियों की निंदा की है। राजा ने सवाल किया, ''उन्हें (अर्जुन को) कोई राजनीतिक समझ नहीं है और क्या ये तमिलनाडु की राजनीति और जनता के लिए ठीक है? आपने (विजय) उन्हें अभी तक पार्टी से क्यों नहीं निकाला?''

इस बीच, अर्जुन ने संवाददाताओं से कहा कि वह बात करने की स्थिति में नहीं हैं, क्योंकि वह 27 सितंबर को करूर में विजय द्वारा संबोधित टीवीके रैली में 41 लोगों की मौत से दुखी हैं। पश्चिमी तमिलनाडु के करूर में 27 सितंबर को विजय के नेतृत्व में आयोजित एक राजनीतिक रैली में हुई भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी।

हम करूर भगदड़ पीड़ितों के परिवारों से जल्द ही मिलेंगे : टीवीके नेता अर्जुन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। करूर में अभिनेता एवं तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) संस्थापक विजय की रैली में भगदड़ मचने के कुछ दिन बाद मंगलवार को पार्टी के वरिष्ठ नेता अधव अर्जुन ने कहा कि पार्टी जल्द ही पीड़ितों के परिवारों से संपर्क करेगी।

इस रैली में 41 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। अर्जुन ने 41 लोगों की मौत को लेकर कहा, ''मेरे परिवारों को बहुत बड़ी क्षति और दर्द सहना पड़ा है।'' अर्जुन ने पत्रकारों से कहा, ''मैं अभी बात करने की स्थिति में नहीं हूं... हम जल्द ही उनसे मिलेंगे। उनके साथ एक बड़ा सफर जारी रहेगा।''

राजग सांसदों का प्रतिनिधिमंडल करूर में भगदड़ की घटना के बारे में जानकारी लेगा : हेमा मालिनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहीं भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने मंगलवार को कहा कि सांसदों का प्रतिनिधिमंडल करूर की यात्रा कर भगदड़ की घटना के बारे में जानकारी लेगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल स्थानीय लोगों, अधिकारियों से मुलाकात करेगा और 27 सितंबर को हुई भगदड़ की घटना की जानकारी लेगा और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को इस पर एक रिपोर्ट देगा।

हेमा मालिनी और अन्य ने करूर रवाना होने से पहले हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा कि प्रतिनिधिमंडल भगदड़ में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों से भी मुलाकात करेगा। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख नैनार नागेंथ्रन ने कहा कि राजग सांसद घटनास्थल का दौरा करेंगे, फिर उस अस्पताल में जाएंगे जहां घायलों का इलाज हो रहा है और घटना में मारे गए सभी 41 लोगों के परिवारों से मिलेंगे।

करूर भगदड़ : अदालत ने टीवीके के दो पदाधिकारियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

करूर। तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) द्वारा आयोजित रैली के दौरान मची भगदड़ के मामले में गिरफ्तार पार्टी के दो पदाधिकारियों को अदालत ने मंगलवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। गत 27 सितंबर को करूर में रैली के दौरान मची भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी और करीब 60 अन्य घायल हो गए थे।

पुलिस ने बताया कि टीवीके के करूर पश्चिम जिला सचिव वी पी मथियालगन और करूर मध्य जिला सचिव कासी पौनराज प्राथमिकी में नामजद थे और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि टीवीके प्रदेश महासचिव बस्सी आनंद और उप महासचिव निर्मल कुमार का भी नाम प्राथमिकी में है, लेकिन उन्हें अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है।

आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिनमें धारा 105 (गैर इरादतन हत्या), धारा 110 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास), धारा 125 (दूसरों के जीवन को खतरे में डालना) और धारा 223 (आदेश की अवज्ञा) शामिल हैं। तमिलनाडु सरकार ने 27 सितंबर को करूर में टीवीके प्रमुख विजय की रैली के दौरान मची कथित भगदड़ की जांच के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश अरुणा जगदीशन की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया है।

करूर का दौरा नहीं किया क्योंकि इससे 'असामान्य' स्थिति उत्पन्न हो सकती थी : विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अभिनेता एवं तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) पार्टी के संस्थापक विजय ने तमिलनाडु के करूर में एक रैली में मची भगदड़ में 41 लोगों की मौत के कुछ दिन बाद मंगलवार को कहा कि उन्होंने अभी तक प्रभावित लोगों से मुलाकात नहीं की है, क्योंकि उनकी वहां मौजूदगी से असामान्य स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। अभिनेता विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन को चुनौती देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री उनके साथ कुछ भी कर सकते हैं, लेकिन उनकी पार्टी के सहयोगियों के साथ नहीं। विजय ने इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है और इस दुखद घटना के पीछे का सच सामने आएगा। विजय ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में कभी ऐसी दुखद स्थिति का सामना नहीं किया।

उन्होंने अपने सोशल मीडिया पेज पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में कहा, ''मैंने करूर का दौरा नहीं किया क्योंकि इससे असामान्य स्थिति उत्पन्न हो सकती थी। मैं जल्द ही आपसे (पीड़ितों और घायलों के परिवारों से) मिलूंगा।'' विजय ने कहा कि घटना का सच भी जल्द ही सामने आएगा और संकेत दिया कि वह कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, आप मेरे साथ कुछ भी कर सकते हैं। विजय ने यह बात ऐसे समय कही जब उनके पार्टी सहयोगियों के खिलाफ 27 सितंबर को तमिलनाडु के पश्चिमी करूर जिले में हुई भगदड़ के सिलसिले में पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस ने टीवीके के जिन नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है उनमें पार्टी के वरिष्ठ नेता बस्सी एन आनंद और सी टी आर निर्मल कुमार शामिल हैं। करूर जिला, प्रदेश की राजधानी चेन्नई से लगभग 400 किलोमीटर दूर है। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) को आड़े हाथ लेते हुए उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री महोदय, अगर आपके मन में बदला लेने का विचार है, तो आप मेरे साथ कुछ भी कर सकते हैं लेकिन पार्टी के लोगों को नहीं छू सकते।'' उन्होंने दावा किया कि घटना वाले दिन, लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, वह करूर से जल्दी निकल गए थे।

विजय ने कहा कि ''उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। अभिनेता एवं नेता ने कहा, मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। मेरी राजनीतिक यात्रा नये जोश के साथ जारी रहेगी।'' विजय ने अपने वीडियो संदेश में कहा, ''मैंने अपने जीवन में ऐसी दुखद स्थिति का सामना नहीं किया है। मेरा दिल दुखता है। मेरे दिल में बस दर्द है। लोगों के प्यार और स्नेह के लिए मैं हमेशा आभारी हूं।'' इस दुखद घटना पर उन्होंने कहा, ''जो नहीं होना चाहिए था, वो हो गया। मैं भी एक इंसान हूं। जब इतने सारे लोग प्रभावित हुए हैं, तो मैं उन लोगों को छोड़कर कैसे वापस आ सकता हूं? मैं इसलिए नहीं गया क्योंकि मैं यह सुनिश्चित करना चाहता था कि फिर कोई अप्रिय घटना नहीं हो।''

भगदड़ के लिए टीवीके को खराब सुरक्षा व्यवस्था के लिए जिम्मेदार ठहराए जाने पर उन्होंने कहा, ''हमने कुछ ग़लत नहीं किया। लेकिन वे हमारे पार्टी नेताओं, दोस्तों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर रहे हैं।'' विजय ने एक राजनीतिक साज़िश की ओर इशारा करते हुए कहा कि उन्होंने पांच जिलों में प्रचार किया था, लेकिन करूर में ऐसा क्यों हुआ? लोग सच्चाई जानते हैं और सब कुछ देख रहे हैं।

विजय ने कहा कि उन्होंने करूर के लोगों को (सोशल मीडिया पर) सच बोलते देखा, तो उन्हें लगा कि ईश्वर सच बोलने के लिए धरती पर अवतरित हुए हैं। पीड़ित परिवारों की पीड़ा पर, विजय ने कहा, ''उस समय हम सभी प्रभावित हुए।'' उन्होंने हादसे पर दुःख व्यक्त करते हुए कहा, ''मुझे पता है कि कई परिवार दुःख झेल रहे हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि सभी जल्द ही ठीक हो जाएंगे। मैं जल्द से जल्द आप सभी से मिलूंगा।'' टीवीके पदाधिकारियों पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिनमें धारा 105 (गैर इरादतन हत्या), धारा 110 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास), धारा 125 (दूसरों के जीवन को खतरे में डालना), धारा 223 (आदेश की अवज्ञा) और तमिलनाडु सार्वजनिक संपत्ति (क्षति और हानि निवारण) अधिनियम, 1992 की धारा 3 शामिल हैं। प्राथमिकी के अनुसार, विजय जानबूझकर करूर जिले के वेलुसामीपुरम में देर से पहुंचे, जिससे उनकी रैली में शामिल होने के लिए एकत्रित लोगों की भीड़ और व्यग्रता बढ़ गई।

पलानीस्वामी ने द्रमुक सरकार पर करूर भगदड़ का दोष दूसरों पर मढ़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। करूर भगदड़ के संबंध में तमिलनाडु सरकार की प्रेस वार्ता पर सवाल उठाते हुए, अन्नाद्रमुक महासचिव के पलानीस्वामी ने मंगलवार को द्रमुक नीत सरकार पर भगदड़ में लोगों की रक्षा करने के अपने कर्तव्य में विफल रहने, इस तरह की विफलता को छिपाने और दूसरों पर दोष मढ़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया। विपक्ष के नेता पलानीस्वामी ने कहा कि करूर में मची भगदड़ के बाद स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार हिल गई है। उन्होंने सवाल किया कि जब न्यायमूर्ति अरुणा जगदीशन के नेतृत्व में जांच आयोग ने काम शुरू कर दिया है, तो सरकारी प्रवक्ता को घटना के बारे में मीडिया को जानकारी देने की क्या जरूरत थी। उन्होंने कहा कि जब निर्वाचित प्रतिनिधि और मंत्री मौजूद हैं, तो सरकारी अधिकारी को मीडिया को जानकारी देने की क्या जरूरत है।

पलानीस्वामी ने 27 सितंबर को मची भगदड़ के दौरान लोगों की सुरक्षा करने के अपने कर्तव्य में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार पर विफल रहने और अपनी विफलता को छिपाने के प्रयास का आरोप लगाते हुए कहा कि तमिलनाडु सरकार का उद्देश्य इस घटना का दोष दूसरों पर डालना प्रतीत होता है। राज्य सरकार ने (टीवीके प्रमुख विजय की रैली में भगदड़ पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया और मीडिया पर किए जा रहे कई दावों के मद्देनजर) 30 सितंबर को वीडियो रिकॉर्डिंग दिखाकर भगदड़ और संबंधित घटनाओं पर कुछ बुनियादी तथ्यों की व्याख्या की और ऐसे साक्ष्यों पर अपने विचार भी स्पष्ट किए।

आधिकारिक प्रवक्ता, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पी. अमुथा के नेतृत्व में अधिकारियों की एक टीम ने फोर्ट सेंट जॉर्ज स्थित तमिलनाडु सचिवालय में संवाददाताओं को जानकारी दी और वीडियो फुटेज भी दिखाए गए। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव ने पूछा कि क्या भगदड़ पर तमिलनाडु सरकार के विचार का जांच आयोग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार में कोई नैतिकता नहीं है और उसका उद्देश्य भगदड़ की जिम्मेदारी से बचना है, जिसमें 41 निर्दोष लोग मारे गए थे।

इंडियन ओवरसीज बैंक अब बचत खाते में न्यूनतम राशि से कम होने पर नहीं लेगा शुल्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक ने बचत खाते में न्यूनतम निर्धारित राशि नहीं रखने पर लगने वाले शुल्क को एक अक्टूबर से माफ करने की मंगलवार को घोषणा की। इस निर्णय का उद्देश्य ग्राहकों को राहत प्रदान करना और बैंकिंग अनुभव को आसान बनाना है। बैंक ने एक बयान में कहा, ''बचत खाते (बचत खाता-पब्लिक) में न्यूनतम औसत शेष राशि नहीं रखने पर एक अक्टूबर से कोई शुल्क नहीं लगेगा।'' बैंक ने प्रधानमंत्री जनधन योजना, मूल बचत बैंक जमा खाता (बीएसबीडीए), लघु खाते, आईओबी बचत बैंक वेतन पैकेज, आईओबी सिक्सटी प्लस, आईओबी बचत बैंक पेंशनभोगी योजना और आईओबी बचत बैंक सरकारी खाते जैसी योजनाओं के लिए न्यूनतम शेष राशि शुल्क को पहले ही माफ कर दिया है।

इंडियन ओवरसीज बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा, इस छूट से हमारे खाताधारकों को महत्वपूर्ण राहत मिलेगी। यह निर्णय ग्राहक-केंद्रित और वित्तीय समावेश के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारा लक्ष्य अपने ग्राहकों के लिए बैंकिंग को अधिक सुविधाजनक और परेशानी मुक्त बनाना है। हालांकि बैंक की प्रीमियम बचत खाता योजनाओं, एसबी-मैक्स, एसबी-एचएनआई, एसबी प्राइम, एसबी प्रायोरिटी, एसबी प्रिविलेज, एनआरआई एलिवेट, एनआरआई प्रिविलेज और एनआरआई सिग्नेचर के लिए शुल्क में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

चेन्नई में निर्माणाधीन इमारत ढही, लोगों के हताहत होने की आशंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एन्नोर थर्मल पावर स्टेशन की एक निर्माणाधीन इमारत मंगलवार को ढह गई, जिसकी वजह से कई लोगों के हताहत होने की आशंका है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने हताहतों की संख्या की जानकारी दिए बिना कहा, फिलहाल, अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं... हम जांच कर रहे हैं।

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)
अनुसंधान भवन, 2, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001

विज्ञापन सं. 05/2025

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), सीएसआईआर- सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर- इम्टैक), चंडीगढ़ के निदेशक के पद हेतु सीएसआईआर में लागू भत्तों सहित पे-मैट्रिक्स के लेवल 15 (रु. 1,82,200-2,24,100) में आवेदन/नामांकन आमंत्रित करता है।

पात्रता मानदंड एवं अन्य शर्तों के लिए, कृपया सीएसआईआर की वेबसाइट www.csir.res.in पर विस्तृत/पूर्ण विज्ञापन संख्या 05/2025 देखें। आवेदन/नामांकन पूर्ण बायोडाटा और प्रकाशनों/पेटेंटों आदि की सूची सहित ई-मेल के माध्यम से ई-मेल आईडी drc.hqrs@csir.res.in पर अथवा डायरेक्टर रिक्रूटमेंट सेल, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), अनुसंधान भवन, 2, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 को डाक द्वारा दिनांक 30/10/2025 से पहले भेजें।

cbc36202/12/0018/2526

हर नागरिक तक सुशासन, सुविधाएं और विकास की पहुंच का सशक्त माध्यम है सेवा पखवाड़ा : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार गांव और गरीब के उत्थान, किसान एवं महिला के सम्मान के लिए कार्य कर रही है। इसी दिशा में सेवा पखवाड़ा प्रदेश के हर नागरिक तक सुशासन, सुविधाएं और विकास की पहुंच सुनिश्चित करने के साथ ही जनसेवा के ध्येय की प्राप्ति का एक सशक्त माध्यम है। शर्मा मंगलवार को ब्यावर के जैतारण में सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से संचालित सेवा पखवाड़ा प्रधानमंत्री जी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र को मूर्त रूप देने का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए इस सेवा पखवाड़े के अंतर्गत प्रदेशभर में ग्रामीण और शहरी सेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविरों में रजिस्ट्री, पट्टे, गिरदावरी, कुर्रेजात, विभाजन, नामांतरण, प्रमाण पत्र और अन्य विभिन्न कार्य किए जाने के साथ ही जनकल्याणकारी योजनाओं से भी पात्र लोगों को जोड़ा जा रहा है। वहीं शहरी सेवा शिविरों में सड़कों, नालियों और सीवर लाइन की मरम्मत, सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण आदि के साथ ही जन्म-मृत्यु या विवाह पंजीयन, पट्टे, एनओसी, ट्रेड लाइसेंस, नामांतरण, भवन स्वीकृति, टैक्स जमा, सीवर कनेक्शन, ईडब्लूएस प्रमाण पत्र आदि कार्य किए जा रहे हैं।

शर्मा ने सेवा शिविरों की प्रगति का जिक्र करते हुए कहा कि इस पखवाड़े में अब तक 4 हजार 121 ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए गए हैं, जिनमें करीब 53 हजार नामांतरण और करीब 54 हजार शुद्धिकरण के कार्य हुए हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की 82 हजार से अधिक पॉलिसी के वितरण के साथ ही एनएफएसए पोर्टल पर लंबित 78 हजार से अधिक प्रकरणों को निस्तारित किया गया है। इसी तरह स्वामित्व योजना के तहत 64 हजार से अधिक पट्टे और मंगला पशु बीमा योजना के अंतर्गत 85 हजार से ज्यादा पशु बीमा वितरित किए गए। इसी तरह शहरी सेवा शिविरों में 8 हजार से ज्यादा पट्टे वितरित किए गए और 42 हजार से ज्यादा प्रमाणपत्र जारी किए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार प्रदेश के विकास के लिए ऐतिहासिक कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गत 25 सितंबर को प्रधानमंत्री जी ने बांसवाड़ा में न्यूक्लियर पावर प्लांट की नींव रखी है। यह प्लांट राजस्थान के साथ ही देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने ऊर्जा के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम किया है। प्रदेश के 22 जिलों में किसानों को दिन के समय बिजली मिलनी शुरू हो चुकी है। इसी तरह रामजल सेतु लिंक परियोजना तथा यमुना जल समझौते को मूर्त रूप दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर किए गए जीएसटी सुधारों का सीधा लाभ गरीब, किसान, मध्यम वर्ग, व्यापारी सहित समाज के सभी वर्गों को मिल रहा है। दैनिक उपयोग की अधिकांश वस्तुएं अब सस्ती हो गई हैं और आमजन को बड़ी राहत मिली है।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने इन डेढ़ वर्षों में जो काम डेढ़ साल में कर दिखाया, वह काम पूर्ववर्ती सरकार पूरे 5 साल में भी नहीं कर पाई। हमारी सरकार में प्रदेश के युवाओं को सरकारी नौकरियों के भरपूर अवसर मिल रहे हैं। हमने अब तक लगभग 91 हजार नियुक्तियां दी हैं तथा लगभग 1 लाख 54 हजार पदों पर नियुक्ति देने की प्रक्रिया विभिन्न चरणों में है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में प्राप्त 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों में से 3 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरुआत मार्च में की जा चुकी है तथा अब 4 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट धरातल पर उतरने के लिए तैयार हैं। इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरने से युवाओं को निजी क्षेत्र में भी रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे।

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में सामाजिक सरोकार के अनेक काम हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान को जन-जन का अभियान बनाया। साथ ही, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बालिका लिंगानुपात में सुधार तथा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने कहा कि मोदी ने देशभर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान चलाया जिससे आमजन में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता आई। हमारी सरकार ने इस अभियान से प्रेरणा लेकर पांच वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है तथा दो वर्षों में लगभग 19 करोड़ पौधे लगाए भी जा चुके हैं। शर्मा ने कहा कि जैतारण की यह गौरवशाली भूमि आस्था और असीम पराक्रम की भूमि है। यह भूमि वीर जैता व कूंपा से लेकर भक्त शिरोमणि मीराबाई एवं राम स्नेही संप्रदाय के संत दरियाव जी महाराज, जैन संत श्रमण विभूति मिश्रीमल जी महाराज तथा संत रूपमुनि रजत जी की याद दिलाती है। उन्होंने कहा कि सेवा के संकल्प के साथ जैतारण से 362 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास हुआ है।

हिस्ट्रीशीटर हेमराज सुमन गैंग धराशायी, एक महिला सहित 13 गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झालावाड़ । संगठित अपराधों पर नकेल कसने के लिए चली मुहिम में झालावाड़ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। महीनों से निगरानी में चल रहे हेमराज सुमन गैंग का भंडाफोड़ करते हुए 1 महिला सहित 13 बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरोह बीमा धोखाधड़ी से लेकर हनीट्रैप, जबरन वसूली और अवैध कारोबार तक में सक्रिय था।

गुप्त सूचना से खुला जाल पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि 24 सितम्बर को आसुचना अधिकारी कोतवाली ने एक गोपनीय परिवाद पेश किया था। जिसके अनुसार कुछ आपराधिक व्यक्तियों द्वारा गिरोह बना रखा है, जो ट्रेक्टर व अन्य बडे वाहनो को फाईनेंस पर उठाकर कुछ दिनों बाद ही खुर्द बुर्द करते हुए झूठे चोरी के मुकदमे दर्ज करवाकर लाखो में बीमा राशि उठा लेते है। थाना सारोला का हिस्ट्रीशीटर हेमराज सुमन अपने कुछ साथियो व कुछ यूपी के बदमाश लडको के साथ मिलकर उक्त अवैध काम कर रहे है। पुलिस ने तुरंत रणनीति बनाकर कार्रवाई का प्लान तैयार किया। एसपी कुमार और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजीलाल मीणा के निर्देशन में करीब 20 टीमों ने एक साथ झालावाड़, झालरापाटन, सारोला और कोटा में दबिश दी और मुख्य सरगना हेमराज सुमन और उसके साथियों को रंगे हाथों पकड़ा गया।

हेमराज की स्विफ्ट डिजायर कार की तलाशी में डिक्की से पुलिस वर्दी, पुलिस ड्रेस के जूते, लकडी-पाईप व अन्य महिला का बलात्कार के आशय का टाईप शुदा परिवाद और दादिया स्थित मकान की तलाशी में कई बैको के पासबुक-चेकबुक, कई गाड़ियों के मूल दस्तावेज, सम्पति खरीद-फरोख्त सम्बन्धी स्टाम्प, इकरारनामा आदि और 06 अलग अलग वाहनो की नम्बर प्लेटें बरामद किये गये।

पुलिस ने मामले में एक महिला सहित 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनमे हिस्ट्रीशीटर हेमराज सुमन (44), मुरारी लाल सुमन (26) और सीताराम मीणा निवासी सारोला, सीमा मीणा निवासी अकलेरा, रियाज (37), सोहेल खान उर्फ घसीट (30), मोहम्मद फारूख खान उर्फ मोनू (33) निवासी झालरापाटन, योगेन्द्र सिह (44) निवासी सारोला हाल कोतवाली झालावाड, लेखराज भील (20) निवासी मण्डावर, पुरूषोतम माली (45) निवासी सारोला हाल आर के पुरम कोटा, अमन (20) व तोसिफ (24) निवासी बोरखेडा कोटा तथा कालू उर्फ कमल मीणा (34) निवासी मोठपुर जिला बारां शामिल है।

इस संगठित गिरोह में यूपी व अन्य स्थानों के भी 20-25 से अधिक बदमाश जुडे होने की आशंका है। गिरफ्तार हेमराज सुमन, पुरूषोत्तम माली, लेखराज भील, रियाज पठान, सोहेल खान, कालू मीणा और सीमा मीणा के विरुद्ध करीब पांच दर्जन गंभीर प्रकृति के आपराधिक मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं।

अब तक की जांच में झालावाड, बारां सहित राजस्थान व मध्यप्रदेश से सैकडों की संख्या में ट्रेक्टर खुर्द बुर्द करने की जानकारी मिली है जिसके संबंध में अनुसंधान जारी है। गैंग लीडर हेमराज सुमन पूर्व में कई थानों पर हनीट्रेप के मामलों में महिलाओं के साथ गिरफ्तार हो चुका है। हेमराज के घर की तलाशी में भी कई महिलाओं के सगाई ओर शादी से संबिधित इकरारनामें बरामद हुए है तथा इस मामले में डिटेन के समय कार की डिक्की में अन्य महिला का बलात्कार के आशय का परिवाद भी बरामद हुआ है।

इस संयुक्त कार्रवाई में वृत्ताधिकारी वृत्त झालावाड़, भवानीमंडी के नेतृत्व में थाना कोतवाली, झालरापाटन, रटलाई, पगारिया, सारोला और साइबर टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस उपाधीक्षक वृत्त झालावाड हर्षराज सिंह खरेडा व पुलिस उप अधीक्षक वृत्त भवानीमण्डी प्रेमकुमार के नेतृत्व में स्पेशल इवेस्टीगेशन टीम का गठन किया गया है, जो प्रकरण के संबंध में गहनता से अनुसंधान कर रही है।

जयपुर में 'राष्ट्र निर्माण में पूर्व सैनिकों के योगदान' विषय पर संगोष्ठी

जयपुर। जयपुर स्थित सैन्य अड्डे में मंगलवार को 'राष्ट्र निर्माण में पूर्व सैनिकों के योगदान' विषय पर संगोष्ठी हुई जिसमें पूर्व सैनिकों और सेवारत अधिकारियों ने भाग लिया। आधिकारिक बयान के अनुसार, सप्त शक्ति कमान द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व सैनिक वक्ता - मेजर जनरल आलोक राज गोयल, ब्रिगेडियर के. बीरेन्द्र सिंह और ब्रिगेडियर करण सिंह राठौर ने विचार रखे। उन्होंने एक मजबूत और सुरक्षित भारत के निर्माण में पूर्व सैनिकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे नागरिक-सैन्य एजेंसियों के बीच तालमेल स्थापित करने, अर्धसैनिक बलों के प्रशिक्षण तथा आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्यों में अपनी विशेषज्ञता के माध्यम से अमूल्य योगदान दे सकते हैं।

इसके साथ ही वक्ताओं ने इस बात पर बल दिया कि पूर्व सैनिक अपनी विविध व्यावसायिक क्षमताओं व कौशल का उपयोग राष्ट्रीय विकास पहलों को गति देने में कर सकते हैं। उन्होंने इस दिशा में सरकारी पहलों और सहयोगात्मक प्रयासों को भी महत्वपूर्ण बताया। जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल निखिल धवन के अनुसार इसके समापन सत्र में सप्त शक्ति कमान के सैन्य कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने सभी सैनिकों से कर्तव्य के प्रति अपनी निष्ठा में दृढ़ रहने, भारतीय सशस्त्र बलों की गौरवशाली परंपराओं को बनाए रखने और प्रतिबद्धता के साथ राष्ट्र की सेवा करते रहने का आग्रह किया।

उन्होंने पूर्व सैनिकों के संगठित 'पुनरकौशल' (रिस्किलिंग) के महत्व पर भी ज़ोर दिया, ताकि वे राष्ट्रीय आपदाओं, अग्नि आपदाओं और आकस्मिक परिस्थितियों में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकें।

'कन्या ही देवी का स्वरूप' : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दुर्गाष्टमी के पावन अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पूरे विधि-विधान के साथ कन्या पूजन कर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उपमुख्यमंत्री ने कच्ची बस्ती की 101 कन्याओं का पूजन किया, उनके पैर धोए, तिलक लगाकर आरती की और उन्हें अपने हाथों से भोजन कराकर माँ दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

दिया कुमारी ने कहा कि कन्या देवी का ही स्वरूप होती है और नवरात्र के दौरान माँ दुर्गा के विभिन्न रूपों की पूजा का यही उद्देश्य होता है कि समाज में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहे। उन्होंने कन्याओं से बातचीत कर उनका हालचाल भी जाना और उन्हें उपहार भेंट किए।उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान चलाया है, जिसको लेकर बच्चियों में काफ़ी उत्साह देखने को मिल रहा है। बच्चिया भी आगे बढ़ने के साथ पढ़ना चाहती है। उन्होंने कहा की समाज में लगातार बदलाव भी आ रहा है , वही उन्होंने कहा की बेटे और बेटियों दोनों को समान अवसर देना चाहिए। इससे हमारी बेटियां आगे बढ़ेगी और आत्मनिर्भर बनेगी ।

भजनलाल शर्मा ने शारदीय नवरात्र पर कन्या पूजन किया पालन

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को ब्यावर के जैतारण में श्रीराम चौक स्थित भगवान श्रीराम की विशालकाय प्रतिमा के दर्शन किए एवं पूजन किया। इस दौरान शर्मा ने शारदीय नवरात्र की दुर्गाष्टमी के अवसर पर मां दुर्गा स्वरूपा कन्याओं का भी पूजन किया और उनसे आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने कन्याओं को श्रद्धापूर्वक चुनरी ओढ़ाई और पूजन किया। इसके बाद उन्होंने परिसर में पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत सहित सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

हिंदी पखवाड़ा समारोह में कार्मिकों का सम्मान : दूरदर्शन केंद्र के कार्यक्रम में शमिल हुए मंत्री जोराराम कुमावत

जयपुर। दूरदर्शन केंद्र जयपुर में हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि हिंदी भाषा हम सभी को एकता के सूत्र में बांधती है। हिंदी भाषा का सरकारी कामकाज में प्रोत्साहन और प्रयोग निरंतर बढ़ रहा है, यह खुशी की बात है। उन्होंने हिंदी प्रतियोगिताओं में विजेता रहे कार्मिकों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं कार्यालय प्रमुख सतीश देपाल ने केन्द्र का हिंदी राजभाषा प्रगति

विवरण प्रस्तुत किया और केंद्र की राजभाषा उपलब्धियां बताई। कार्यक्रम प्रमुख सीमा विजय ने दूरदर्शन के कार्यक्रमों में बढ़ते हिंदी के प्रयोग पर चर्चा की। समाचार प्रमुख मंजू मीणा ने इस कार्यक्रम में कहा कि हिंदी की विकास यात्रा में संचार माध्यमों विशेषकर दूरदर्शन और आकाशवाणी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। राजभाषा अधिकारी डॉ वासुदेव शर्मा ने राजभाषा की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी साझा की। इसके बाद अतिथियों ने हिंदी प्रतियोगिताओं में विजेता रहे कार्मिकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी वीरेन्द्र कुमार परिहार ने किया। समारोह के बाद मंत्री जोराराम कुमावत ने एक पेड़ मां के नाम का पौधारोपण किया । इस अवसर पर निदेशक अभियांत्रिकी निलेश खंडेलवाल, उपनिदेशक अभियांत्रिकी पंकज भूटानी, सहायक निदेशक कार्यक्रम राकेश जैन, सहायक निदेशक अभियांत्रिकी मूलाराम चौधरी, सहायक निदेशक अभियांत्रिकी अजय कुमार रोहिल्ला एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी रंगलाल बैरवा उपस्थित रहे।

प्रेम विवाह विवाद : झालामंड में दो गुट भिड़े, पत्थरों व लाठियों से हमला

जोधपुर। कुड़ी भगतासनी थाना क्षेत्र के झालामंड में प्रेम विवाह को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों ने धारदार हथियारों और पत्थरों से एक-दूसरे पर हमला किया, जिसमें चार लोग घायल हो गए। घायलों को जोधपुर के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से दो को छुट्टी दे दी गई, जबकि दो का उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार, मामला प्रेम विवाह से जुड़ा है। लड़की के परिजनों और विरोधी पक्ष के लोगों के बीच झगड़ा इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों ने हिंसक तरीके अपनाए।

मानसून का मौसम समाप्त, देश में सामान्य से आठ प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई: आईएमडी

नई दिल्ली/भाषा। चार महीने का मानसून का मौसम मंगलवार को समाप्त हो गया और इस दौरान देश में सामान्य से आठ प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई। यह जानकारी भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दी। आईएमडी प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि देश में मानसून का मौसम ''बहुत सफल'' रहा, हालांकि इस दौरान बादल फटने, भूस्खलन जैसी कई आपदाएं भी आईं। भारत में पूरे चार महीने के मानसून के दौरान 868.6 मिलीमीटर की सामान्य बारिश की तुलना में 937.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, जो आठ प्रतिशत अधिक है। पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में 1089.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य बारिश 1367.3 मिलीमीटर से 20 प्रतिशत कम है।

महापात्र ने बताया कि बिहार, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में मानसून के चार महीनों में से तीन महीनों में कम बारिश हुई। उन्होंने एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, ''इस मानसून में पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में बारिश 1901 के बाद से दूसरी बार सबसे कम रही। इस क्षेत्र में मानसून के दौरान सबसे कम बारिश (1065.7 मिलीमीटर) 2013 में दर्ज की गई थी।'' उन्होंने कहा, ''हाल के समय में पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में कई वर्षों से कम बारिश होती रही है। वर्ष 2020 से इस क्षेत्र में कम वर्षा हुई है। अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि पिछले 20 वर्षों में पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में वर्षा कम हुई है।'' महापात्र ने कहा कि उत्तर-पश्चिम भारत में 747.9 मिलीमीटर बारिश हुई, जो सामान्य बारिश (587.6 मिलीमीटर) से 27.3 प्रतिशत अधिक है। महापात्र ने कहा कि यह 2001 के बाद से सबसे अधिक और 1901 के बाद से छठी सबसे अधिक बारिश है।

दुर्गा पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़, महाअष्टमी पर उत्सवों की धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। दुर्गा पूजा के सबसे शुभ दिन माने जाने वाले महाअष्टमी के अवसर पर मंगलवार को पश्चिम बंगाल के दुर्गा पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और 'ढाक' की थाप से वातावरण गूंज उठा।सुबह-सुबह ही बच्चों से लेकर बड़े-बुजुर्गों तक, बड़ी संख्या में लोग मां दुर्गा को 'अंजलि' (फूलों की भेंट) चढ़ाने के लिए एकत्र हुए। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में ये भक्त, फूलों और बेलपत्रों से सजी थालियां लिए हुए थे और दूसरी तरफ पुजारी लगातार मंत्रों का जाप कर रहे थे। कोलकाता की ऐतिहासिक शोभाबाजार राजबाड़ी, जो शहर की सबसे पुरानी पारिवारिक दुर्गा पूजाओं में से एक है, वहां बहुत ही शानदार तरीके से पूजा के सभी अनुष्ठान किए गए। इन सदियों पुरानी परंपराओं को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग वहां जमा हुए।

बेलूर मठ रामकृष्ण मठ और मिशन का मुख्यालय है और यहां इस अवसर पर हजारों श्रद्धालु जुटे। इन

भक्तों ने महा अष्टमी के खास अनुष्ठानों में हिस्सा लिया, जिसमें कुमारी पूजा भी शामिल थी। कुमारी पूजा में एक छोटी बच्ची को साक्षात् देवी मानकर उसकी पूजा की जाती है।

यह पूरा दिन संधि पूजा के साथ समाप्त हुआ। यह पूजा अष्टमी और नवमी के बीच होती है और इसे पूरे त्योहार का सबसे पवित्र समय माना जाता है। यह 48 मिनट का अनुष्ठान देवी दुर्गा की चंड और मुंड राक्षसों पर विजय की याद दिलाता है। कोलकाता के कई बड़े पंडालों, जैसे संतोष मित्रा स्क्वायर, कुमारतुली पार्क, कॉलेज स्क्वायर, मुदियाली, बालीगंज कल्चरल और जोधपुर पार्क के बाहर लंबी-लंबी लाइनें लगी थीं। मौसम में उमस होने के बावजूद लोग बड़ी संख्या में दर्शन के लिए खड़े थे। राज्य के बाकी हिस्सों जैसे दुर्गापुर, आसनसोल, कल्याणी और सिलीगुड़ी में भी यह उत्सव उतने ही जोर-शोर के साथ मनाया गया। यह बात दिखाती है कि दुर्गा पूजा का सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व कितना अधिक है। इस पर्व को यूनेस्को द्वारा विश्व की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में भी मान्यता मिली हुई है।

मेघालय में यूरेनियम खनन के पक्ष में नहीं : मुख्यमंत्री संगमा

शिलांग/भाषा। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार पूर्वोत्तर के इस राज्य में यूरेनियम खनन के पक्ष में नहीं है। संगमा ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक हालिया अधिसूचना पर भी चिंता व्यक्त की, जिसमें यूरेनियम सहित परमाणु खनिजों से जुड़ी खनन परियोजनाओं के लिए सार्वजनिक परामर्श और सुनवाई से छूट का प्रस्ताव दिया गया है। उन्होंने कहा, ''हम जो देख रहे हैं, उसके आधार पर हम केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण मांगेंगे। जरूरत पड़ने पर, मैं अपने लोगों के हितों की रक्षा करने के लिए विभिन्न स्तरों पर इस मामले को उठाऊंगा।''

राज्य के आदिवासी संगठन स्वास्थ्य, पर्यावरण और भूमि अधिकारों से जुड़ी चिंताओं का हवाला देते हुए यूरेनियम खनन के किसी भी कदम का विरोध करते रहे हैं।

संगमा ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''एक सरकार के रूप में, हमने अपना रुख बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है कि हम यूरेनियम खनन के पक्ष में नहीं हैं। हमने पहले भी यह बात खुलकर कही है और मैं आज भी इसे दोहरा रहा हूं।''

एटीएस ने मुजाहिदीन आर्मी के सरगना को भी गिरफ्तार किया

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने कथित तौर पर मुजाहिदीन आर्मी बनाकर शरीयत व्यवस्था कायम करने का मंसूबा रखने वाले गिरोह के सरगना मोहम्मद रजा को भी गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले गिरोह से जुड़े चार आरोपियों की गिरफ्तारी की गई थी। उत्तर प्रदेश एटीएस की ओर से मंगलवार शाम जारी एक बयान में कहा गया है कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान फतेहपुर जिले के अंदौली के मूल निवासी मोहम्मद रजा के रूप में हुई है। मोहम्मद रजा मौजूदा समय में केरल के मल्लापुरम से अपनी गतिविधियों को संचालित कर रहा था। बयान के अनुसार मोहम्मद रजा को सोमवार को केरल से गिरफ्तार कर विधिक प्रक्रिया के तहत ट्रांजिट रिमांड पर लखनऊ लाया जा रहा है। आतंकी मंसूबों को पूरा करने और लक्षित हत्याओं की घटनाओं को अंजाम देने के लिए एकत्र किए गए धन इसी के खाते में जमा किए गए थे। आरोपी को नियमानुसार विशेष अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा और उसके आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए इसके अन्य साथियों के संबंध में गहन विवेचना के क्रम में कार्यवाही की जाएगी।

नेपाल के 'जेन जेड आंदोलन' की तरह इंदौर के विश्वविद्यालय में विरोध प्रदर्शन की 'साजिश' का खुलासा

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) की रैगिंग निरोधक समिति की जांच में खुलासा हुआ है कि पांच वरिष्ठ छात्रों ने कथित तौर पर नेपाल की 'जेन जेड' की तरह सोशल मीडिया पर विरोध प्रदर्शन शुरू करने की साजिश के तहत अपने कनिष्ठ छात्रों को जीमेल और 'एक्स' पर फर्जी खाते खोलने के लिए मजबूर किया था। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया,''डीएवीवी के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) के प्रशासनिक अधिकारी ने कनिष्ठ छात्रों की रैगिंग और उन्हें धमकाने को लेकर भंवरकुआं पुलिस थाने में पांच वरिष्ठ छात्रों के खिलाफ शिकायत की है। यह शिकायत रैगिंग निरोधक समिति की सिफारिश के आधार पर की गई है।'' उन्होंने पुष्टि की कि शिकायत में रैगिंग निरोधक समिति की जांच रिपोर्ट के हवाले से इशारा किया गया है कि डीएवीवी के कुछ वरिष्ठ छात्र नेपाल की 'जेन जेड' की तरह सोशल मीडिया पर विश्वविद्यालय के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू करने की तैयारी कर रहे थे। दंडोतिया ने कहा, ''हमें अभी पता नहीं है कि शिकायत में नेपाल के 'जेन जेड आंदोलन' का जिक्र किस आधार पर किया गया है। हम इस बारे में डीएवीवी की रैगिंग निरोधक समिति के सदस्यों से पूछताछ करेंगे और उनसे दस्तावेज मांगेंगे। इसके बाद उचित कानूनी कदम उठाए जाएंगे।''अधिकारियों के मुताबिक डीएवीवी की रैगिंग निरोधक समिति की रिपोर्ट बताती है कि वरिष्ठ छात्रों ने कनिष्ठ छात्रों पर कथित रूप से अनुचित दबाव बनाकर उन्हें जीमेल और 'एक्स' पर फर्जी खाते खोलने के लिए मजबूर किया था। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ छात्रों ने कनिष्ठ छात्रों से कथित रूप से कहा था कि वे इन खातों का इस्तेमाल उनके भेजे संदेशों और संबंधित हैशटैग को प्रसारित करने के लिए करेंगे।

मेरे लिए राजनीति का आधार जाति नहीं, बल्कि बिहारी पहचान : चिराग पासवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने मंगलवार को कहा कि उनके लिए राजनीति का आधार जाति नहीं, बल्कि बिहारी पहचान है।

पासवान ने पटना में संवाददाताओं से कहा, ''मैं 14 करोड़ बिहारियों की बात करूंगा। बिहार फर्स्ट और बिहारी फर्स्ट की बात करूंगा। मेरा दल जातिगत समीकरणों से ऊपर उठकर महिलाओं और युवाओं को प्राथमिकता देने वाली राजनीति में विश्वास करता है।'' उन्होंने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि वे लगातार जातिगत समीकरणों की बात करते हैं।

पासवान ने कहा, ''तेजस्वी यादव के दिमाग में ईबीसी, ओबीसी, दलित और अन्य जातियां हो सकती हैं, लेकिन हमारे लिए बिहार की जनता सिर्फ बिहारी है। जो नेता 'एम-वाई'

(मुस्लिम-यादव) का तमगा गर्व से पहनते हैं, वे हमेशा जाति आधारित राजनीति करते रहेंगे।''

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री पासवान ने कहा कि उनकी पार्टी भी 'एम-वाई' समीकरण को मानती है, लेकिन उसका अर्थ है ''महिला और युवा''। इसे उन्होंने पार्टी की नई सोच और नई पहचान बताया। उन्होंने कहा, ''बिहार की राजनीति में अब समय आ गया है कि महिलाओं और युवाओं की ताकत को केंद्र में रखा जाए, क्योंकि यही वर्ग आने वाले बिहार को नई दिशा देगा। मेरी राजनीति का मकसद बिहार के प्रत्येक नागरिक को सम्मानपूर्वक राजनीतिक प्रक्रिया में शामिल करना है। जनता की समस्याएं, विकास और युवाओं के लिए रोजगार मेरे एजेंडे के प्रमुख बिंदु रहेंगे।''

बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगी दल के नेता चिराग ने जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर द्वारा बिहार सरकार के मंत्री पर लगाए गए आरोपों की जांच की भी मांग की। उन्होंने निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची जारी किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि रिपोर्ट का आना अपेक्षित था।

पासवान ने कहा, ''अब देखना है कि विपक्ष इस पर कितनी राजनीति करता है। अगर कोई त्रुटि होती है या कोई अच्छा सुधार हुआ है, तो उसकी जिम्मेदारी पूरी तरह निर्वाचन आयोग की होगी।'' उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि यह केवल ''वोट बैंक की राजनीति'' है।

रात्रि पाली में महिलाओं को काम करने की अनुमति पर बीजद ने सवाल उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में विपक्षी दल बीजू जनता दल (बीजद) ने रात्रि पाली में काम करने वाली महिलाओं की सुरक्षा को लेकर मंगलवार को चिंता व्यक्त की और कहा कि श्रम सुधार लाने के लिए उठाए गए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के कदमों से किसानों और श्रमिकों को सशक्त होना चाहिए।

इससे एक दिन पहले, राज्य मंत्रिमंडल ने सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए दैनिक कार्य की समय अवधि को नौ घंटे से बढ़ाकर 10 घंटे करने तथा साप्ताहिक कार्य अवधि की सीमा 48 घंटे निर्धारित करने, महिला कर्मचारियों को रात्रि पाली में काम करने की अनुमति देने, राज्य में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने तथा व्यवसाय संचालन को सुचारू बनाने के लिए श्रमिकों के

लिए ओवरटाइम मजदूरी बढ़ाने के प्रस्तावों को मंजूरी दी।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोमवार को कहा कि राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए श्रम कानूनों में सुधार की जरूरत है।

यहां बीजद के राज्य मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ट्रेड यूनियन के नेता सुभाष सिंह ने कहा कि कारखाना अधिनियम, 1948 और ओडिशा दुकान एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान अधिनियम, 1956 में संशोधन से अब काम के घंटे बढ़ाए जा सकते हैं, प्रतिष्ठानों का संचालन सातों दिन 24 घंटे किया जा सकता है और महिलाएं भी अब रात की पाली में काम कर सकती हैं।

कटक के महापौर सिंह ने कहा, अगर इन सुधारों को बिना किसी उचित शर्त के लागू किया गया, तो कर्मचारी अपने अधिकारों के लिए आवाज नहीं उठा सकेंगे और उन्हें अधिक काम करने के लिए मजबूर किया जाएगा। महिलाओं को रात में काम पर लगाना उनकी सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े करेगा। उन्होंने प्रवर्तन और निरीक्षण तंत्र में मौजूदा खामियों को लेकर चिंता जताते हुए सवाल किया कि हजारों प्रतिष्ठानों में अनुपालन सुनिश्चित कौन करेगा?

महिलाओं को रात्रि पाली में काम करने की अनुमति देने के प्रावधान पर, सिंह ने उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत सुरक्षा दिशानिर्देशों और स्पष्ट जवाबदेही ढांचों के तत्काल प्रकाशन की मांग की।

दलीप ट्रॉफी में गेंदबाजी ने लय हासिल करने में मदद की : कुलदीप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट शृंखला के दौरान अंतिम एकादश में जगह बनाने में नाकाम रहे भारत के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव ने कहा कि दलीप ट्रॉफी में ' काफी अधिक गेंदबाजी करने' से उन्हें एशिया कप के लिए अपनी लय वापस पाने में मदद मिली।

कुलदीप ने इस टूर्नामेंट को 17 विकेट के साथ सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उनका गेंदबाजी औसत 9.29 रहा। पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को दुबई में खेले गये फाइनल में उन्होंने विपक्षी बल्लेबाजों को अपनी फिरकी में फंसाते हुए 30 रन देकर चार विकेट झटके। उन्होंने बीसीसीआई द्वारा जारी वीडियो में रिंकू से बातचीत के दौरान कहा, '' जब आप लंबे समय तक क्रिकेट नहीं खेलते हैं, तो आपको लय की जरूरत होती है। मुझ दलीप ट्रॉफी में गेंदबाजी करने का काफी मौका मिला ऐसे में जब मैं टूर्नामेंट के लिए आया तो मेरी गेंदबाजी ज़ाहिर तौर पर अच्छी चल रही थी।''

कुलदीप ने अपने प्रदर्शन पर संतुष्टि जाहिर करते हुए कहा, ''मेरी भूमिका बीच के ओवरों में रन को

नियंत्रित करने और विकेट लेने की थी। कप्तान को मुझ पर बहुत भरोसा था और मैंने अपनी भूमिका को बहुत अच्छे से निभाया।'' वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल के साथ कुलदीप ने शानदार स्पिन तिकड़ी बनाई। इस तिकड़ी ने अपनी विविधता से बल्लेबाजों को काफी परेशान किया। अबूझ स्पिनर वरुण ने कहा कि पावरप्ले के साथ-साथ आखिरी ओवरों में गेंदबाजी करने जैसे कठिन कार्य को सौंपे जाने के बाद वह टीम प्रबंधन की उम्मीदों पर खरा उतर कर खुश हैं। उन्होंने बीसीसीआई द्वारा जारी एक अन्य वीडियो में कहा, ''भारतीय टीम के लिए यह भूमिका पाकर बहुत खुशी हुई और निश्चित रूप से जब जीजी (मुख्य कोच गौतम गंभीर) और (कप्तान) सूर्या ने मुझे बताया कि मुझे इस टूर्नामेंट में मुश्किल भूमिका निभानी होगी, जैसे कि पावरप्ले और आखिरी ओवरों में भी गेंदबाजी करना।''

वरुण ने संजू सैमसन को अपनी ताकत का एक बड़ा स्तंभ बताया। इस वीडियो में उनके साथ बाद में सैमसन भी जुड़ गयी। सैमसन ने पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में भारत के तीन विकेट जल्दी गिरने के बाद मध्य क्रम में एक उपयोगी पारी खेलकर टीम की जीत में उपयोगी योगदान दिया।

वरुण ने सैमसन के साथ बातचीत करते हुए कहा, ''यह बंदा मेरे लिए समर्थन का एक स्तंभ रहा है। संजू मोहनलाल सैमसन।''

सैमसन ने कहा कि 147 रन का पीछा करते हुए भारत के अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल के शुरुआती विकेट गिरने के बाद उन्हें दबाव को झेलना पड़ा। उन्होंने कहा, '' मुझे दबाव से निपटते हुए टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकालना था। मुझे बस क्रीज पर रह कर अपना नैसर्गिक खेल खेलने के साथ अपने पूरे अनुभव का उपयोग करना था। मैं काफी समय से इस टीम के साथ हूं ऐसे में मुझे पता था कि तिलक वर्मा के साथ सोझेदारी में दायें और बायें हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन बना रहेगा।'' रिंकू सिंह ने मैच में खेली अपनी एकमात्र गेंद पर चौका मारकर टीम को जीत दिलाई। उन्होंने कहा कि वह अपनी बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

बिहार विस चुनाव से पहले अंतिम मतदाता सूची जारी, पटना में 1.63 लाख नए मतदाता जुड़े

पटना/भाषा। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के तहत दावे और आपत्तियों पर विचार करने के बाद बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले ''अंतिम मतदाता सूची'' जारी कर दी।

बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने आयोग को टैग करते हुए अपने फेसबुक पेज पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, '' विशेष गहन पुनरीक्षण के आलोक में 30 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। लोग संबंधित लिंक पर क्लिक कर अपने नाम देख सकते हैं।'' हालांकि, राज्यभर का अंतिम आंकड़ा अभी आना बाकी है। मसौदा सूची में मतदाताओं की संख्या 7.24 करोड़ थी, जिसमें ''अनुपस्थित'', ''स्थानांतरित'' या ''मृत'' पाए गए करीब 65 लाख नाम हटाए गए थे। इसी बीच, पटना जिला प्रशासन ने एक बयान जारी कर बताया कि जिले के 14 विधानसभा क्षेत्रों में कुल मतदाताओं की संख्या करीब 48.15 लाख है। यह संख्या एक अगस्त को प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची की तुलना में 1.63 लाख अधिक है। जिले में महिला मतदाताओं की संख्या 22.75 लाख है।

आरएसएस को अगले 100 साल तक राष्ट्र निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए : कर्ण सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कर्ण सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना के शताब्दी वर्ष पूरा होने से पहले बुधवार को इस हिंदुत्वादी संगठन के प्रमुख मोहन भागवत और स्वयंसेवकों को बधाई देते हुए कहा कि संघ को भारत की प्रगति के लिए अगले 100 वर्षों तक राष्ट्र निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन केशवराव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित आरएसएस अपने 100 वर्ष पूरे करने वाला है।

सिंह ने एक वीडियो संदेश में कहा, ''राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। इस अवसर पर, मैं मोहन भागवत जी से लेकर लाखों कार्यकर्ताओं तक, सभी को हार्दिक बधाई देता हूं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे याद है कि 1982 में जब मैंने 'विराट हिंदू समाज' की स्थापना की थी, तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने हमारी बहुत मदद की थी, जिसके कारण

हमने कई महत्वपूर्ण शहरों में हिंदू धर्म और हिंदू समाज की आवश्यकताओं पर प्रकाश डालते हुए बड़ी सभाएं आयोजित की थीं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री का कहना है, ''मैं चाहता हूं कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अगले 100 वर्षों तक राष्ट्र निर्माण, विशेषकर चरित्र निर्माण पर ध्यान केंद्रित करता रहे, क्योंकि चरित्र निर्माण से ही समाज प्रगति कर सकता है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व 'सद्र-ए-रियासत' सिंह ने कहा कि वह चाहते हैं कि भारत इसी तरह प्रगति करे ताकि वह दुनिया में एक प्रगतिशील भूमिका निभा सके।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में देश के विभिन्न हिस्सों में कई कार्यक्रमों के आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों की छींटाकशी का सही जवाब था एशिया कप जीतना : तिलक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। एशिया कप में भारत की जीत के नायक रहे मध्यक्रम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने मंगलवार को कहा कि फाइनल के शुरूआती दबाव और पाकिस्तानी खिलाड़ियों के मौखिक हमलों का उन्होंने बखूबी सामना किया और आक्रामक प्रतिद्वंद्वी को 'सर्वश्रेष्ठ जवाब' खिताब जीतना था । तिलक के नाबाद 69 रन की मदद से भारत ने दुबई में रविवार को खेले गए फाइनल में पांच विकेट से जीत दर्ज की ।

तिलक ने दुबई से कल रात यहां पहुंचने के बाद कहा ,'' शुरूआत में कुछ दबाव और तनाव था लेकिन मैने सबसे ऊपर अपने देश को रखा और मैं देश के लिये जीतना चाहता था । मुझे पता था कि दबाव के आगे घुटने टेक दूंगा तो अपने आप को और देश के 140 करोड़ लोगों को निराश करूंगा ।'' उन्होंने कहा ,'' मैने बेसिक्स पर भरोसा रखा जो मैने शुरूआती दिनों में अपने अलग अलग कोच से सीखे थे और उसका अनुसरण किया । उन्हें सबसे सही जवाब यही था कि हम एशिया कप जीत जायें और हमने वही किया ।''

तिलक ने स्वीकार किया कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने मैच में जमकर छींटाकशी की लेकिन

उन्होंने खामोश रहना पसंद किया । उन्होंने कहा ,'' आपरेशन सिंदूर के बाद वे हमारे खिलाफ काफी आक्रामक हो गए थे । हमने उन्हें खेल को जिस तरीके से खेला जाना चाहिये, वैसे ही खेलकर जवाब दिया । '' उन्होंने कहा ,'' हमने तीन विकेट जल्दी गंवा दिये थे और माहौल काफी गर्म हो गया था । मैं जल्दी बल्लेबाजी करने आ गया लेकिन मैने किसी को कुछ नहीं कहा और ना ही कोई खराब शॉट खेलकर टीम और देश को निराश किया ।'' उन्होंने कहा कि एक बार भारत जीत गया तो उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ियों को जवाब दिया । उन्होंने कहा ,'' मैच के दौरान मेरा फोकस बेसिक्स पर था और मैं उन्हें जवाब नहीं देना चाहता था । मुझे जो कुछ कहना था, वह मैने मैच के बाद कहा । मैच में बहुत कुछ चल रहा था जो मैं बता नहीं सकता । भारत और पाकिस्तान के मैचों में यह होता है लेकिन हमारा फोकस मैच जीतने पर था ।'' भारत को आखिरी ओवर में दस रन चाहिये थे और तिलक ने कहा कि वह तब तक दबाव से ऊपर उठ चुके थे । उन्होंने कहा ,'' मुझ पर आखिरी ओवर में दबाव नहीं था । मुझे पता था कि मैं मैच जिता दूंगा । मैं अपने देश के बारे में ही सोच रहा था और गेंद दर गेंद रणनीति बना रहा था । मुझे गर्व है कि मैं यह कर सका ।'' तिलक ने इस पारी को अपने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक बताया । उन्होंने कहा ,'' मैं इसे सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक कहूंगा । इसके अलावा इंग्लैंड के खिलाफ चेन्नई में मैने नाबाद 72 रन बनाये थे जो बेहतरीन पारी थी । एशिया कप खेलना और पाकिस्तान के खिलाफ दबाव के हालात में फाइनल खेलना बहुत अच्छा अहसास था ।

ओडिशा: पुलिस उपनिरीक्षकों की भर्ती के लिए लिखित परीक्षा फिर स्थगित

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा पुलिस में उपनिरीक्षकों की भर्ती के लिए लिखित परीक्षा को तीसरी बार स्थगित कर दिया गया। यहां मंगलवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

ओडिशा पुलिस भर्ती बोर्ड (ओपीआरबी) द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि संयुक्त पुलिस सेवा परीक्षा-2024 (सीपीएसई) की लिखित परीक्षा पांच और छह अक्टूबर को आयोजित होने वाली थी।

बोर्ड ने कहा, ''कुछ अप्रत्याशित घटनाक्रमों के मद्देनजर लिखित परीक्षा सीपीएसई-2024 को स्थगित करने का निर्णय लिया है। यह परीक्षा पहले पांच अक्टूबर और छह अक्टूबर 2025 को होने वाली थी तथा परीक्षा की नई तारीख की घोषणा बाद में की जाएगी।''

यह तीसरी बार है जब ओपीआरबी ने परीक्षा स्थगित की है।

हालांकि ओपीआरबी ने स्थगन के कारण पर चुप्पी साध रखी है लेकिन सूत्रों ने बताया कि अनियमितताओं का पता लगने के बाद यह निर्णय लिया गया।

सुविचार

विद्या एक कामधेनु के समान है जो हर मौसम में अमृत प्रदान करती है वह विदेश में एक माता के समान है जो रक्षण एवं हितकारी होती है । इसलिए विधा को एक गुप्त धन कहा गया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

.. तो इतना दुस्साहस न करता पाक

कांग्रेस के दिग्गज नेता एवं पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी चिदंबरम ने 26/11 हमलों के बाद पाकिस्तान को सैन्य मोर्चे पर जवाब न दिए जाने के संबंध में जो बयान दिया है, उससे पता चलता है कि पहले विदेशी ताकतें किस हद तक हमारे फैसलों पर असर डालती थीं। अगर उस घटना के बाद पाकिस्तान को सख्त जवाब दिया जाता तो वह इतना दुस्साहस नहीं कर पाता। याद करें, वर्ष 1971 के युद्ध में जब पाकिस्तान की बहुत शर्मनाक हार हुई थी, तब वह कई सालों तक शांत रहा था। यह पड़ोसी देश उस आदतन अपराधी की तरह है, जिसे सीधे रास्ते पर रखने के लिए समय-समय पर सख्त कार्रवाई करनी जरूरी है। पाकिस्तान कोई आतंकी हरकत करे या न करे, उस पर दबाव बनाए रखना चाहिए। 26/11 की घटना ने हमें झकझोर दिया था। मुट्ठीभर आतंकवादियों ने जिस तरह मुंबई शहर में खून-खराबा किया था, उसके बाद तत्कालीन केंद्र सरकार को निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए थी। चिदंबरम के उक्त बयान से यह भी स्पष्ट होता है कि पाकिस्तान के हर गुनाह को माफ करते हुए अमेरिका हमेशा उसे बचाने आ जाता है। इसने कारगिल युद्ध में भी पाकिस्तान को बचाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाया था, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने डंके की चोट पर कहा था कि एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकालेंगे। उस समय पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ रोनी सूरत बनाकर अमेरिका से गुहार लगाने गए थे और उन्हें वहां टीवी पर शिकस्त की खबर मिली थी। वर्ष 1971 में अमेरिका ने सातवां बेड़ा भेजने के नाम पर दबाव बनाना चाहा था, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सामने उसकी एक न चली।

आज अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान की पीठ थपथपाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। वे भारत-पाक संघर्ष रुकवाने के झूठे दावे कर 'शांति पुरुष' बनने की कोशिश कर रहे हैं। जब केंद्र सरकार ने उनके दावों को खारिज कर दिया तो वे टैरिफ थोप रहे हैं। ट्रंप अपने अनर्गल बयानों से हंसी के पात्र बन गए हैं। अगर 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी बड़ी कार्रवाई 26/11 के बाद की जाती तो कई आतंकवादी हमलों को टाला जा सकता था। पाकिस्तान को लेकर हमें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि शांति और सहिष्णुता से काम लेंगे तो उसमें कोई सुधार आ जाएगा। दरअसल पाकिस्तान अपने आतंकवादियों के मारे जाने से नहीं डरता है। वे तो पाले ही इसलिए जाते हैं, ताकि भारतीय सैनिकों की गोलियों से मारे जाएं। पाकिस्तान उस समय डरता है, जब उसकी फौज को चोट पहुंचती है। पाकिस्तानी अवाम बहुत बड़ी तादाद में अपने जवानों की लाशें देखकर हुक्मरानों से सवाल पूछ सकती हैं। याद करें, जब कारगिल युद्ध में सैकड़ों पाकिस्तानी फौजी मारे गए थे तो उनकी फौज ने लाशें लेने से ही इन्कार कर दिया था। तत्कालीन पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ को डर था कि इससे उन्हें लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। पाकिस्तान द्वारा किए जाने वाले आतंकवादी हमलों का जवाब देते समय इस तथ्य को ध्यान में रखना चाहिए। यह पड़ोसी देश एक-दो सैन्य अभियानों से सुधरने वाला नहीं है। जब उस पर लगातार प्रहार होंगे तो सुधार की उम्मीद की जा सकती है। इसके लिए केंद्र सरकार को बिना किसी दबाव के फैसले लेने होंगे। मोदी सरकार के रुख को देखकर कहा जा सकता है कि विदेशी ताकतों का कोई दबाव पाकिस्तान के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाई में बाधा नहीं डाल सकेगा।

ट्वीटर टॉक

ग्राम पंचायत पालुखुर्द की आदर्श आंगनबाड़ी का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं तथा बच्चों को दिए जाने वाले पोषाहार की गुणवत्ता का स्वयं सेवन कर मूल्यांकन किया। आंगनबाड़ी की कार्यप्रणाली और बच्चों की देखभाल को और बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

-दिया कुमारी

जैतारण में आयोजित समारोह में लगभग 362 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण कर उपस्थित आमजन को संबोधित किया। समाज कल्याण विभाग की योजनाओं के अंतर्गत डीबीटी के माध्यम से करीब 209 करोड़ रुपए की राशि हस्तांतरित की।

-भजनलाल शर्मा

स्वर्गीय श्री माधवराव सिंधिया जी की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि श्रद्धांजलि। राजनीति को जनसेवा का माध्यम बनाने वाले आप सिद्धांत, शुचिता और गरिमा के अद्वितीय प्रतीक थे। गरीबों के कल्याण और राष्ट्रोत्थान के लिए आपके कार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

समाधान की दृष्टि

एक बार संत प्रफुल्लानंद के पास युवक आया जो आत्मिक दुख से भरा हुआ था। संत ने उससे अनेक प्रश्न किये, जिनके उत्तर से यह बात सामने आई कि यह युवक अपने साथियों से धोखा, छल आदि पाकर गहरे अवसाद में जी रहा है। संत उसके भोलेपन तथा भावुकता को महसूस कर रहे थे। संत ने उसे एक सुझाव दिया कि उनके कार्यालय में एक दायित्व रिक्त है। तकरीबन चार घंटे रोजाना काम करना है। यहां आने वाले बुजुर्ग लोगों का नियमित विवरण तथा उनके कष्ट को दर्ज करना है। बोलो करोगे? युवक सहर्ष मान गया और दो सौ रुपये प्रतिदिन पर काम करने लगा। दस दिन बाद जब वह संत से मिला तो उसकी आखों में चमक तथा उसके मन में उम्मीद थी। संत ने बातचीत की तो पता चला कि वह युवक अब जान सका है कि जगत में हर कोई किसी न किसी से धोखा खा रहा है। इसलिए अब उसको किसी से भी कोई शिकायत नहीं। उसने संत से एक सवाल पूछा, 'आपके पास तो मेरी परेशानी का इलाज था गुरुदेव। मैं अभिभूत हूं।' संत ने कहा, 'वत्स! लक्ष्मण तो काफी बाद में मूर्च्छित हुए थे, लेकिन संजीवनी बूटी तो पहले ही उग कर तैयार थी।

सामयिक

आरएसएस का शताब्दी वर्ष : संस्कार निर्माण की पाठशाला है संघ

अवधेश कुमार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर चुका है। इसकी आलोचना में विरोधियों के स्वर और विषयवस्तु आज भी वही हैं जो हम दशकों से सुनते आ रहे हैं। इसकी स्थापना से लेकर आज तक की यात्रा पर दृष्टि डालें तो विश्व इतिहास में ऐसा शायद ही कोई संगठन होगा जिसे इतने विरोधों और प्रतिकूलताओं का सामना करना पड़ा। बावजूद यदि संगठन अपनी कार्य पद्धति और सोच के साथ लगातार समाज के बीच विस्तार करते हुए जीवित है एवं भारत के साथ विश्व के अनेक देशों में कम या ज्यादा मात्रा में प्रभावकारी भूमिका निभा रहा है तो इसे हर कसौटी पर अद्भुत उपलब्धि कहना होगा। किसी भी संगठन का मूल्यांकन उसके स्वयं द्वारा बनाई गई कसौटियों एवं समाज की आवश्यकता-प्रासंगिकता के ही आधार पर हो सकती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्थापना से अपना एकमात्र चरित्र बनाए रखा है कि वह देशभक्ति से ओतप्रोत स्वयंसेवकों का निर्माण करेगा और उसके बाद स्वयंसेवक अपनी सोच के अनुसार भारत को विश्व के उच्चतम शिखर पर एक आदर्श देश के रूप में ले जाने व बनाए रखने के लिए स्वेच्छा से काम करते रहेंगे। इसका अर्थ हुआ कि संघ अपने नाम और बैनर से देशभक्त स्वयंसेवक खड़ा करने के अलावा कुछ नहीं करेगा, स्वयंसेवक सब कुछ करेंगे। करने का एक ही उद्देश्य होगा, भारत का सतत अभ्युदय और वह भी दुनिया पर दबदबा या प्रभुत्व के लिए नहीं, बल्कि हिंदुत्व की व्यापक सोच विश्व कल्याण की भावना से।

संघ पर गहराई से अध्ययन करने वाले जिन लोगों ने भी उसकी लंबी यात्रा पर दृष्टि रखी है उन सबका एक ही निष्कर्ष है कि केवल भारत नहीं, संपूर्ण विश्व में राजनीतिक,गैर राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, स्वयंसेवी, एनजीओ, थिंक टैंक आदि को दृष्टि में रखकर इसे नहीं समझा जा सकता। अर्थात यह अन्य संगठनों या संस्थाओं की तरह संगठन और संस्था नहीं है। इसके संस्थापक डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने भारत या समाज के अंदर एक संगठन की जगह संपूर्ण समाज के साथ एकाकार होने वाले या उसके पर्याय के तौर पर संगठन की कल्पना की और उस चरित्र को हर परिस्थिति में बनाए रखा। इसका सबसे बड़ा प्रमाण क्या हो सकता है? आप सार्वजनिक तौर पर किसी पार्टी, संगठन, संस्था पर आरोप लगाइए वह उपलब्ध माध्यमों से खंडन करने, विरोध करने और आरोप लगाने वालों के विरुद्ध प्रत्यारोप करने आ जाएगा। यह आम स्वाभाविक चरित्र है। ऐसा कोई दिन नहीं जब संघ पर सीधे हमले नहीं होते , उसकी निंदा या आलोचना नहीं होती। क्या कभी आपने संघ के अधिकारियों द्वारा पत्रकार वार्ता बुलाकर या बयान जारी कर पक्ष रखने, खंडन करने या प्रत्यारोप की भूमिका में देखा है? अन्य को छोड़ दीजिए तो यही एक पहलू इसे सभी संगठनों से बिल्कुल अलग चरित्र का सिद्ध करने के लिए पर्याप्त है।

यही संघ संस्थापक के दूरदृष्टि आश्चर्यचकित करती है। संघ की बैठकों में अधिकारी बताते हैं कि अगर हमारी कोई निंदा करे, विरोध करे तो उसका उत्तर देने में समय नहीं लगाना है, अपना काम करते रहना है। जब दूसरे सरसंचालक माधव सदाशिव गोलवलकर या गुरु गोलवलकर के आवास पर हमले हुए और स्वयंसेवकों ने विरोध किया तो उन्होंने ऐसा करने से रोका और कहा कि विरोध करने वाले भी हमारे अपने हैं। कल हमारा समर्थन करते थे आज विरोध कर रहे हैं तो वह भी हमें स्वीकार करना चाहिए। इस तरह संघ का चरित्र विकसित हो गया कि आलोचना और निंदा करने वाले को भी अपना मानकर ही व्यवहार करना है।

तीसरा विषय है विचारधारा का। अगर वर्तमान विचारधारा के ढांचे को देखेंगे तो एक ही शब्द है, हिंदुत्व. इसके अनुसार हिंदुओं का संगठन और हिंदू राष्ट्र के रूप में भारत की रचना की कल्पना। शाखाओं से लेकर शिक्षा वर्गों एवं कार्यक्रमों में हिंदुत्व का अर्थ यह बताया जाता है कि सभी के अंदर एक ही तत्व है इसलिए कोई और कुछ भी हमसे अलग नहीं है। तो जैसा व्यवहार हम अपने साथ करते हैं ,अपने को उन्नत करने के लिए परिश्रम करते हैं वही सोच और व्यवहार सबके साथ करना है। यह भी कि कोई इसे हिंदू राष्ट्र कहे, कोई भारत कहे, कोई हिंदुस्तान कहे कुछ भी कहे उससे अंतर नहीं आता, इस राष्ट्र का चरित्र वही है। हिंदुत्व अर्थात सर्वधर्म समभाव और सब के सुखी होने, सबके निरोग होने सबके भद्र होने का व्यापक विचार।

संक्षेप में कहा जाए तो 100 वर्षों की यात्रा में संघ इन्हीं तीन स्तंभों पर आगे बढ़ता रहा है। इसीलिए इतनी प्रतिकूलताओं, हमलों, निंदा व प्रतिबंधों के बावजूद वह अविचल है तथा स्वयंसेवकों ने समाज के हर क्षेत्र में अपनी दृष्टि से कार्य खड़ा किया है। इसी कारण आज संघ मातृसंगठन के रूप में बट वृक्ष के रूप में खड़ा है और विश्व के 100 से ज्यादा देशों तक कार्य पहुंचा है।

संघ संस्थापक की दूरदृष्टि देखिए। संघ कार्य के लिए प्रचारकों की परंपरा, जो परिवार से बाहर रहकर सन्यासी की तरह 24 घंटे संगठन के लिए ही काम करेंगे। पारिवारिक व्यक्ति या परिवार बसाने की कामना करने वाले भी पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में निश्चित अवधि तक समय देंगे और तब केवल संघ कार्य ही करेंगे। जब आपका कोई निजी स्वार्थ नहीं तो भारत राष्ट्र ही सर्वस्व की भावना से सैकड़ों प्रचारक एक सोच और योजना से काम करेंगे, संगठन विस्तार करेंगे तो लक्ष्य निश्चित प्राप्त होगा। डॉक्टर हेडगेवार अपने आरंभिक काल में ही हिंसक क्रांतिकारी संगठनों, अहिंसक कांग्रेस, समाज सुधार आंदोलन आदि के साथ प्रत्यक्ष कार्य करते रहे और उसके अनुभव के आधार पर उनके लगा कि अगर अंग्रेजों से मुक्ति हो भी गई तो जब तक भारत राष्ट्र की सही समझ रखने वाले प्रतिबद्ध शत- प्रतिशत जीवन लगाकर काम करने वाले लोग नहीं होंगे, भारत को जैसा होना चाहिए जहां होना चाहिए वह नहीं होगा और फिर यह गुलाम नहीं होगा इसकी भी गारंटी नहीं रहेगी।

तभी उन्होंने संघ की स्थापना की और फिर इसका क्रमिक विकास हुआ। अंत में एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू की ओर आइए। स्वतंत्रता के पूर्व संघ के स्वयंसेवकों की प्रतिज्ञा में हिंदू राष्ट्र को स्वतंत्र करने की बात थी लेकिन उन्होंने संगठन को प्रत्यक्ष कभी आंदोलन या विरोध प्रदर्शन में शामिल नहीं होने दिया। उन्होंने देख लिया था कि अगर संघ सीधे आंदोलनों, विरोध प्रदर्शनों, समाज सुधार के कामों में लग गया तो यह खत्म हो जाएगा। इसलिए जब वे नमक सत्याग्रह में गए तो सससरसंचालक पद से त्यागपत्र दिया ताकि कोई भ्रम न रहे कि संगठन के रूप में संघ इस तरह का कार्य नहीं करेगा लेकिन स्वयंसेवक कर सकते हैं।

इसीलिए जब आलोचक और विरोधी पूछते हैं कि संघ ने स्वतंत्रता आंदोलन में कब भाग लिया, संघ ने कौन सा आंदोलन किया तो वे उसके चरित्र के विपरीत बात करते हैं। संघ की कल्पना रही है कि स्वयंसेवक, जहां भी रहे वहां हवा और विद्युत की तरह प्रभाव डालकर परिणाम लाये परंतु प्रत्यक्ष शायद दिखें भी नहीं। बिजली दिखती नहीं है लेकिन बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, गाड़ियां चलतीं हैं। हवा भी दिखती नहीं है लेकिन अगर हवा नहीं हो तो दुनिया नष्ट हो जाएगी। सच यह है जहां भी स्वयंसेवक हैं, उनने अनियोजित -नियोजित जितने कार्य किए हैं कि उनका विवरण इकट्ठा करना मुश्किल है। सच्चाई यह है कि भारत में ऐसा कोई आंदोलन, सामूहिक बड़ा कार्य, परिवर्तन, सकारात्मक उपलब्धि ऐसी नहीं रही जिसमें संघ के स्वयंसेवकों की भूमिका नहीं। चूंकि स्वयंसेवक राजनीति, समाज, संस्कृति, तकनीक, विज्ञान, शिक्षा, रक्षा, आंतरिक सुरक्षा, कृषि, उद्योग, मनोरंजन, कला यानी समाज जीवन के हर क्षेत्र में हैं और उनके लक्ष्य निश्चित हैं तो वो अपनी भूमिका निभाते रहते हैं। वहां संघ का कोई बैनर नहीं हो सकता। जो संगठन समाज के पर्याय के रूप में स्वयं को बढ़ा रहा हो या समाज के साथ एकाकार रहता हो वह न अपनी उपलब्धियां के बारे में बात करेगा न इसकी आवश्यकता उसे महसूस होगी। आप संघ से जुड़े नहीं है लेकिन स्वयंसेवकों को जानते हैं तो जरा शांत होकर उनकी गतिविधियों, समाज में उनके योगदान आदि पर दृष्टि दौड़ाइए। आप देखेंगे कि जहां एक शाखा लगती है उसमें नियमित स्वयंसेवकों की संख्या भले कम हो लेकिन धीरे-धीरे समाज पर उसका प्रभाव पड़ता है, घरों में, एक दूसरे के साथ संबंधों में, अलग-अलग जीवन के अंगों में ऐसे परिवर्तन होते रहते हैं जो हमें भी महसूस नहीं होता कि कैसे और कब हो गया। उनके चलने, उठने, बैठने, खान-पान, किसी सामूहिक कार्यक्रम में भूमिका, व्यवहार से पूरा समाज प्रभावित होता है और कुछ उसके अनुरूप काम करने लगते हैं तो कुछ उनका समर्थन करते प्रशंसा करते हैं।

शताब्दी वर्ष में भी संघ का यही चरित्र सामने है। वह पंच परिवर्तन की बात कर रहा है। ये हैं, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समसरता, स्व आधारित व्यवस्था, कुटुंब प्रबोधन तथा नागरिक कर्तव्य। अर्थात स्वयंसेवक लोगों के बीच इन्हीं विषयों को लेकर जाएंगे जो एक राष्ट्र के रूप में भारत के लिए आवश्यक है। इसके लिए विस्तृत गृह संपर्क अभियान, हिन्दू सम्मेलन, प्रबुद्ध नागरिक गोष्ठियां और समाज में आपसी सद्भाव संबंधी सभाओं - बैठकों का आयोजन होगा। तो शताब्दी वर्ष के पांच परिवर्तन और कार्यक्रम भी संघ के चरित्र को ही दिग्दर्शित करता है। वस्तुत: उसका हर कार्य अपने तीन मुख्य स्तंभों के अनुरूप ही रहा है रहेगा।

विशेष

अति महनीय है श्रीराम का जीवन चरित्र

मुनि चैतन्य कुमार 'अमन'

सनातन, जैन, बौद्ध, सिख सभी धर्म सम्प्रदायों में जिनका नाम गौरव के साथ लिया जाता है तो वह नाम है प्रभु श्रीराम। न केवल भारतीय परम्परा बल्कि विदेशी धरती पर भी प्रभु श्रीराम का नाम गौरव के साथ आदर्श के रूप में लिया जाता है। श्रीराम का नाम वैश्विक स्तर पर विश्रुत है। रामायण एक महाग्रन्थ है, तुलसी रामायण और वाल्मिकी रामायण एक महनीय ग्रंथ है जिसमें श्रीराम के जीवन चरित्र को विशद रूप में व्याख्यायित किया गया है। श्रीराम को मर्यादा पुरुषोतम कहा गया है, क्योंकि उनका कार्य मर्यादा सहित था। श्रीराम के जीवन के अनेक प्रसंग प्राप्त होते है जिसमें उन्होंने मर्यादा को सर्वोपरि स्थान दिया। जब राम और रावण का युद्ध चल रहा था। उस समय बाण के एक प्रहार से लक्ष्मण बेहोश कर गिर पड़ते है। भ्रातृप्रेम से विह्वल होकर श्रीराम भी उदासीन होकर बैठे है। उस समय राम के उदासीन चेहरे को देखकर नील-अंगद आदि सुभट परस्पर में बात करते हुए बोलते है देखो प्रभुराम भी आज कितने दुःखी है क्योंकि भाई लक्ष्मण बेहोश पड़े है। माता कौशल्या अयोध्या में है और माता सीता रावण की अशोक वाटिका में है।

ये शब्द सुनकर श्रीराम ने कहा कि मुझे इस बात का कोई गम नहीं कि मेरा प्यारा भाई लक्ष्मण बेहोश पड़ा है, न ही मेरे मन में इस बात का दुःख है कि मेरी माता कौशल्या अयोध्या में है, मुझे इस बात का अफसोस भी नहीं कि मेरी चरण चंचरिका सीता रावण की अशोक वाटिका में विलाप कर रही है। मुझे कोई दुःख है तो सिर्फ इस बात का है कि जब विभीषण मेरे पास आया था तब मैंने उसे लंकेश शब्द से संबोधित किया था। अब अगर शक्ति के प्रहार से लक्ष्मण नहीं रहेगा तो मैं भी जीवित नहीं रह सकूंगा और मैं विभीषण को लंका का अधिपति नहीं बना सका तो मेरा वचन भंग हो जाएगा। आज मुझे दुःख है सिर्फ इस बात का कि मेरा वचन निष्फल हो जाएगा। उस रणभूमि में भी राम को अपने वचन भंग होने का दुःख सता रहा था। यह था श्रीराम के जीवन का आदर्श ही था कि मेरा वचन भंग नहीं होना चाहिए, इसीलिए कहा जाता है प्राण जाय पर वचन न जाए। रघुकुल रीत सदा चली आए।

आज के युग में राम का नाम जपने वाले बहुत है पर श्रीराम के आदर्शों पर चलने वाले बहुत विरले हैं। रामायण का नित्य पाठ करने वाले बहुत मिलते है। संत वाल्मिकी द्वारा रचित अद्भुत रामायण को संत वाल्मिकी ने देवता, दानवों और मानवों में

बांटने के बाद शेष बचे दो अक्षर 'राम' को अपने पास रख लिए। तब सबने कहा कि जब रामायण में से राम को अपने पास में रख लिया फिर हमको क्या मिला। जिस प्रकार रामायण का सारभूत तत्त्व राम है, उसी प्रकार धर्म का सार है सत्य। आज धर्म की उपासना करने वाले तो बहुत मिलते है पर सत्य पर अडिग रहने वाले कोई विरले ही होते है। जब एक बार श्रीराम नदी के किनारे पहुंचे तो देखा एक बगुला धीमे-धीमे कदमों से चल रहा था तब राम ने लक्ष्मण को सम्बोधित करते हुए कहा कि 'देखो लक्ष्मण पश्य लक्ष्मण पम्पायां बकः परम धार्मिकः। मन्दं मन्दं पदं घते, जीवानां वध शंकया।' अर्थात हे लक्ष्मण यह बगुला कितना धार्मिक है जो कि धीमे-धीमे पैरों से चल रहा है कि इसमें कितना करूणा का भाव है। यह सोच रहा है मेरे पैर से कोई जीव मर न जाय। यह सुनकर मछलियों ने कहा हे राम! आप जिस बगुले की प्रशंसा कर रहे है लगता है आप भी इस बगुले की मनोवृत्ति को नहीं जानते। यह तो हम जानते है कि यह बगुला कैसा है। अरे! इसने हमारे वंश को ही समाप्त कर दिया क्योंकि हम इनके चरित्र को जानती है। रात-दिन हमारे आस-पास यह रहता है। आवश्यकता है व्यक्ति का चरित्र श्रेष्ठ होना चाहिए। उसकी कथनी-करनी में समानता होनी चाहिए। राम के आदर्शों को अपनाने की आवश्यकता है, केवल नाम जपना ही सार्थक नहीं होता। एक कवि ने बहुत सुन्दर पंक्तियां लिखी है, 'तुम पुण्य कार्य मत करो भले ही, किन्तु करो मत पाप, पुण्य के फल को पा लोगे। तुम राम नाम मत जपो भले ही, किन्तु करो सत्काम, राम के बल को पा लोगे।' आवश्यकता है विजयदशमी के इस अवसर पर यह संकल्प ले कि हम जीवन में कथनी-करनी की एकरूपता को अपनाकर सदैव सत्य को सुरक्षित रखेंगे, तभी पर्व मनाने की सार्थकता हो सकेगी, तभी जीवन में विजयश्री को हासिल कर पाएगें।

नजरिया

सदाचार-सत्य की विजय का महापर्व है दशहरा

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

सत्य पर असत्य की जीत का सबसे बड़ा त्यौहार दशहरा देशभर में 2 अक्टूबर को मनाया जाएगा। हिंदू पंचांग के अनुसार, 1 अक्टूबर की शाम 7 बजकर 2 मिनट से दशमी तिथि शुरू हो जाएगी जो 2 अक्टूबर को शाम 7 बजकर 10 मिनट तक रहेगी। यही वजह है कि रावण दहन 2 अक्टूबर को ही किया जाएगा। भगवान राम ने बुराइयों के प्रतीक रावण का वध कर देश और दुनियां को भय, आतंक और डर से मुक्ति दिलाई थी। अब तो घर घर रावण रूपी बुराई और आतंक ने अपना साम्राज्य फैला रखा है जिसे समाप्त करने के लिए एक नहीं असंख्य राम की जरुरत है।

दशहरा या विजयदशमी पर्व हम हजारों सालों से मानते आरहे है। राम सत्य और रावण बुराई का प्रतीक माना गया है। यह भी कहा जा सकता है कि यह अन्याय पर न्याय और अधर्म पर धर्म की विजय है। यह सतयुग की घटना बताई जा रही है। वर्तमान को हम कलियुग के रूप में जानते है। इसमें कितनी सच्चाई है यह तो बस ईश्वर ही जनता है। उस समय एक रावण मारा गया मगर आज तो हमारे सामने रावणों की फौज खड़ी है जो अलग अलग मुखोटे लगाए घर घर बुराई फैला रही है यानि आज एक नहीं अनेक रावण है जो विभिन्न बुराइयों के प्रतीक है। असली दशहरा तो तभी मनाने में मजा आये जब इन सभी रावणों का धूमधाम से वध हो। आज घर घर रावण पग पग लंका देखी जा रही है। कहीं गुफा वाले रावण है तो कहीं फल वाले रावण। कहीं नाचते गाते रावण देखे जा रहे है तो कहीं भक्त बने रावण। अब तो आस्था स्थलों पर भी जाते डर लगता है। जाने किस मोड़ पर रावण मिल जाये। एक गायक ने इन शब्दों में व्याख्या की है 'कलयुग बैठा मार कुंडली जाऊ तो मै कहाँ जाऊ अब हर घर में रावण बैठा इतने राम कहाँ से लाऊ।'

तुलसीदास कृत रामायण के अनुसार रावण ने सीता माता का हरण जरूर किया मगर सतीत्व से खिलवाड़ नहीं किया। वह अपनी बहन सूर्पणखां का बदला लेना चाहता था। रावण शादी के लिए डराता धमकाता रहा मगर कोई जोर जबरदस्ती नहीं की। मगर आज के रावण धर्मोपदेशक के रूप में हमारे साथ छल कपट करने पर उतारू है। आस्था के साथ सरेआम खिलवाड़ कर रहे है। बेटी और बहन के रिश्ते को तार तार कर रहे है और हम अंधे हो कर सब कुछ देखते हुए भी अनजान बने हुए है। जब तक हम ऐसे रावणों को नहीं पहचानेंगे तब तक आज की सीता की इज्जत यूँ ही लूटती रहेगी। आज के रावण स्वयं को रावण नहीं मानते वे अपने को राम मानकर चलते है। वे खुद को सच्चा और सामने वाले को झूठा ठहराने में तनिक भी विलम्ब नहीं करते। बहरहाल हम एक बार फिर विजयदशमी पर्व मना रहे है। सदा की तरह परिवार के साथ मैदान पर पहुंचकर रावण वध देखेंगे। मेले का आनद लेंगे। कुछ खाएंगे पियेंगे औए घर लौटकर पर्व की जुगाली करेंगे।

आइये हम भी इस कथा सारणी के पन्ने पलटे। दशहरा या विजयदशमी देश का एक प्रमुख त्यौहार है। दशहरा का अर्थ है, वह पर्व जो पापों को हर ले। अन्याय के युग के अंत का यह पर्व है। दशहरा भक्ति और समर्पण का पर्व है। आश्विन शुक्ल दशमी को विजयदशमी का त्योहार देश भर में लाखों लोगों द्वारा धूमधाम से मनाया जाता है। खुले स्थानों पर मेलों का आयोजन एवं राक्षसराज रावण कुम्भकरण और मेघनाथ के बड़े- बड़े पुतलों का प्रदर्शन किया जाता है। यह त्योहार हमें प्रेरणा देता है कि हमें अंहकार नहीं करना चाहिए क्योंकि अंहकार के मद में डूबे हुये व्यक्ति का एक दिन विनाश तय है। रावण बहुत बड़ा विद्वान और वीर व्यक्ति था परन्तु उसका अंहकार ही उसके विनाश कारण बना। दशहरा शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के शब्द 'दश- हर' से हुई है जिसका शाब्दिक अर्थ दस बुराइयों से छुटकारा पाना है। दशहरा का पर्व दस प्रकार के पापों- काम, क्रोध, लोभ, मोह मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी के परित्याग की सदप्रेरणा प्रदान करता है। विजयादशमी का यह त्योहार बुराइयों पर अच्छाई का प्रतीक है। दशहरा अच्छाई की बुराई पर जीत का पर्व है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने रावण का अंत कर दिया था लेकिन अच्छाई और बुराई के बीच की यह जंग आज भी जारी है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

रूस ने गाजा में युद्ध समाप्त करने के लिए ट्रंप के प्रयास का समर्थन किया

मास्को/भाषा। रूस ने मंगलवार को कहा कि वह गाजा में शांति बहाल करने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के किसी भी प्रयास का स्वागत और समर्थन करता है। एक दिन पहले, ट्रंप ने युद्ध समाप्त करने और अशांत क्षेत्र में शांति बहाल करने के लिए 20 सूत्री शांति योजना का प्रस्ताव दिया था।

सोमवार को ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच वार्ता के बाद पेश की गई शांति योजना में गाजा में युद्ध को तत्काल समाप्त करने और हमास द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों को 72 घंटों के भीतर रिहा करने का प्रस्ताव है।

रूसी सत्ता प्रतिष्ठान 'क्रेमलिन' के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने ट्रंप की शांति योजना के बारे में रूस के विचार के बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा, ''रूस हमेशा ट्रंप द्वारा किए गए ऐसे किसी भी प्रयास का समर्थन और स्वागत करता है जिसका उद्देश्य वर्तमान में घटित हो रही त्रासदी को रोकना है।'' पेस्कोव ने कहा, हम चाहते हैं कि इस योजना को लागू किया जाए, ताकि यह मध्य पूर्व में घटनाओं को शांतिपूर्ण दिशा में लाने में मदद कर सके।

हिंदी पखवाड़ा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारतीय खाद्य निगम के क्षेत्रीय कार्यालय में सोमवार को कवि सम्मेलन एवं हिंदी पखवाड़ा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ईश्वर वंदना से हुई। इसमें महाप्रबंधक (कर्नाटक) बीओ महेश्वरप्पा, उप महाप्रबंधक (राजभाषा), उप महाप्रबंधक (संचालन) एवं उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) के साथ स्थानीय कविगण सुनील तरुण एवं प्रेम तन्मय ने शिरकत की।बीओ महेश्वरप्पा ने मुख्य अतिथि के साथ ही अध्यक्ष पद भी संभाला। प्रबंधक (राजभाषा) मनोज कुमार साव ने मंच संचालन करते हुए स्वागत भाषण दिया और अतिथिगण का परिचय कराया। कविगण ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं।क्षेत्रीय कार्यालय में 14 से 29 सितंबर तक हिंदी पखवाड़े में पांच प्रतियोगिताएं– भारतेंदु हरिश्चंद्र लिखित परीक्षा (केवल संवर्ग–1 के लिए), हिंदी टिप्पण एवं आलेखन, हिंदी टंकण, हिंदी–कन्नड़ संगम एवं प्रशासनिक शब्दावली, आयोजित की गईं थी। इनमें लगभग 80 कार्मिकों ने हिस्सा लिया।विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

ब्रिटेन पुलिस ने गांधी प्रतिमा को क्षति पहुंचाने के मामले की जांच शुरू की

लंदन/भाषा। ब्रिटेन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने मंगलवार को कहा कि उसने लंदन के टैविस्टॉक स्क्वायर में महात्मा गांधी की प्रतिमा को पहुंचाई गई क्षति की जांच शुरू कर दी है और पुलिस इसे नस्लीय विद्वेष से जुड़ा अपराध मान रही है।

पुलिस ने कहा कि उसे रविवार शाम को प्रतिष्ठित प्रतिमा के पास बुलाया गया था, क्योंकि ऐसी खबरें आई थीं कि प्रतिमा के चबूतरे पर विचलित करने वाले भित्तिचित्रों से उसे विरुपित किया गया है, जिसकी लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने हिंसक हमला करार देते हुए निंदा की है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के एक बयान में कहा गया है, हमने टैविस्टॉक स्क्वायर गार्डन में महात्मा गांधी की प्रतिमा को क्षति पहुंचाने की रिपोर्ट की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने कहा, इस घटना को नस्लीय विद्वेष से जुड़ा अपराध माना जा रहा है और जांच जारी है। फिलहाल कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। इसने गवाहों से अपील की है कि वे जांच में मदद करने वाली कोई भी जानकारी लेकर सामने आएं। इस बीच, स्थानीय अधिकारियों ने पुष्टि की कि उनकी स्वच्छता टीमों को नुकसान का आकलन करने के लिए मौके पर भेजा गया है। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग ने सोमवार को प्रतिमा को विरूपित करने की कड़ी निंदा करते हुए इसे गांधी जयंती (बृहस्पतिवार) से कुछ दिन पहले महात्मा गांधी की विरासत पर हमला बताया। भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा, लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग 'टैविस्टॉक स्क्वायर' पर स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा को तोड़े जाने की घटना से बेहद दुखी है और इसकी कड़ी निंदा करता है। मिशन ने कहा, यह सिर्फ विरूपित किए जाने की घटना नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस से तीन दिन पहले अहिंसा के विचार और महात्मा गांधी की विरासत पर हिंसक हमला है। हमने तत्काल कार्रवाई के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया है और हमारी टीम पहले से ही घटनास्थल पर मौजूद है तथा प्रतिमा को ठीक करने के लिए अधिकारियों के साथ समन्वय किया जा रहा है।

अक्कीपेट स्थानकवासी नवयुवक मंडल ने आयोजित किया गुरु दर्शन यात्रा संघ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। वर्धमान स्थानकवासी जैन नवयुवक मंडल अक्कीपेट के तत्वावधान में 80 सदस्यों ने रविवार को गुंटकल में विराजित साध्वी देवेन्द्रप्रभाजी व बल्लारी में विराजित साध्वीश्री मंगलज्योति जी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। संघ यात्रा के प्रायोजक महेंद्र, राजेंद्र, प्रदीप बाफना परिवार के सौजन्य से आयोजित संघ में युवा अध्यक्ष कमलेश सालेचा, धर्मेंद्र लुंकड़, पंकज विनायकिया, महावीर भंसाली, महावीर छाजेड़, आशिक भंसाली एवं संयम विनायकीया ने व्यवस्था संभाली। युवा संघ के सदस्यों ने जीव दया के लिए सहयोग राशि प्रदान की।

आशापुरा धाम में अष्टमी पूजा व विशेष भोग अर्पण सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के बन्नरघट्टा रोड स्थित आशापुरा धाम में मंगलवार को पंडितजी द्वारा विशेष अभिषेक महामंडल, अष्टमी पूजा, स्वास्ति वाचन और होम यज्ञ संपन्न हुआ। पूजा के बाद कन्या भोज का आयोजन किया गया। मंदिर में विनायकजी एवं श्री खेतलाजी को 56 भोग अर्पित किए गए तथा माताजी को विशेष 108 भोग अर्पण किए गए। मंदिर प्रांगण में छोटे–छोटे बच्चों ने गणपति, खेतलाजी और माताजी के स्वरूप में वेशभूषा धारण कर प्रवेश किया और भोग अर्पण किया। दोपहर में मेहंदी वितरण व मेहंदी लगवाई का कार्यक्रम हुआ। शशम को माताजी की आरती, पथ श्रृंगार और दीपक अलंकरण का आयोजन हुआ। नवमी के मौके पर बारहवें ध्वजारोहण का आयोजन होगा।

परेश रावल की फिल्म 'द ताज स्टोरी' के पोस्टर से उठा विवाद

नयी दिल्ली/भाषा

अभिनेता परेश रावल की आगामी फिल्म 'द ताज स्टोरी' के पोस्टर में उन्हें ताजमहल का गुंबद हटाते और उसमें से भगवान शिव की मूर्ति निकलते हुए दिखाए जाने को लेकर भारी विवाद खड़ा हो गया है। इस पर फिल्म निर्माताओं ने कहा कि यह फिल्म 'किसी धार्मिक मामले से संबंधित नहीं है।' 'स्वर्णिम ग्लोबल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड' के बैनर तले बन रही इस फिल्म का निर्देशन तुषार अमरीश गोयल ने किया है। उसका निर्माण सीए सुरेश झा ने किया है। रावल और फिल्म निर्माताओं ने सोमवार को फिल्म का पोस्टर जारी किया। पोस्टर के शीर्षक में लिखा है, क्या होगा अगर आपको जो कुछ भी पढ़ाया–सिखाया गया है वह सब झूठ हो? सच सिर्फ छिपाया नहीं गया है, उसे परखा भी जा रहा है। 31 अक्टूबर को अपने नज़दीकी सिनेमाघरों में 'द ताज स्टोरी' के साथ सच्चाई को जानिए। इस पर तीखी प्रतिक्रिया हुई और कई सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने इसे 'दुष्प्रचार' और 'फर्जी' करार दिया है। 'स्वर्णिम ग्लोबल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड' ने कुछ ही देर बाद एक बयान जारी कर इसका जवाब दिया।

उसने कहा, फिल्म 'द ताज स्टोरी' के

निर्माता स्पष्ट करते हैं कि यह फिल्म किसी भी धार्मिक मुद्दे से संबंधित नहीं है, न ही यह दावा करती है कि ताजमहल के अंदर कोई शिव मंदिर है। यह पूरी तरह से ऐतिहासिक तथ्यों पर केंद्रित है। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप फिल्म देखें और अपनी राय बनाएं। लेकिन बहस थमने का नाम नहीं ले रही है। कई लोगों ने कहा कि यह हाल में रिलीज हुई 'द उदयपुर फाइल्स' और 'द बंगाल फाइल्स' जैसी फिल्मों के बाद सिनेमा में 'प्रोपगैंडा' का नवीनतम उदाहरण प्रतीत होता है। एक व्यक्ति ने 'एक्स' पर लिखा, पोस्टर को देखकर ऐसा लगता है कि यह ताजमहल को एक धार्मिक स्थल के रूप में चित्रित करने का प्रयास है। ताजमहल दो प्रेमियों की कब्र है। इससे ज़्यादा कुछ नहीं।

एक अन्य ने 'एक्स' पर लिखा, मध्य काल में, भारत आए सभी यूरोपीय यात्रियों, चाहे वे फ्रांस्वा बर्नियर हों, जीन–बैप्टिस्ट टैवर्नियर हों या पीटर मुंडी, सभी ने ताजमहल को मंदिर नहीं, बल्कि शाहजहां द्वारा निर्मित एक मकबरा बताया था। एक अन्य उपयोगकर्ता ने 'द ताज स्टोरी' जैसी फिल्म बनाने के लिए रावल की आलोचना की। उसने कहा, क्या पतन है सर, परेश रावल, 'ओह माई गॉड' से नकली 'द ताज स्टोरी' तक आ गये। उसका इशारा 2012 में आई समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म 'ओह माई गॉड' की ओर था, जिसमें उन्होंने एक नास्तिक वकील की भूमिका निभाई थी, जिसने ईश्वर पर मुकदमा किया था। एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर लिखा, फिल्म 'द ताज स्टोरी' उस खारिज किए गए दावे को फिर से जीवित करती है कि ताजमहल कभी एक हिंदू मंदिर था। इतिहासकार इसे छद्म इतिहास बताकर खारिज करते हैं, लेकिन आलोचकों को डर है कि यह सांप्रदायिक विभाजन को बढ़ावा देगा। ताज 17वीं सदी की मुगलकालीन कृति है – भारत की साझा विरासत। रावल 2014 से 2019 तक अहमदाबाद पूर्व से भाजपा सांसद थे। हालांकि फिल्म की कथानक अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन निर्माताओं ने पहले एक बयान में कहा था कि यह फिल्म 'ताजमहल के 22 बंद दरवाजों के पीछे छिपे सवालों और रहस्यों' को उजागर करती है। निर्माताओं ने दावा किया कि फिल्म 'भारतीय इतिहास के एक ऐसे अध्याय को प्रस्तुत करने का वादा करती है, जिसे पहले कभी किसी ने प्रस्तुत करने की हिम्मत नहीं की।'

इसी साल 14 अगस्त को, 70 वर्षीय रावल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म का एक छोटा सा दृश्य साझा किया था। उन्होंने इसके शीर्षक में लिखा था, आज़ादी के 79 साल बाद भी क्या हम बौद्धिक आतंकवाद के गुलाम हैं? अदालत के दृश्य में रावल जिस किरदार में न्यायाधीशों के सामने बहस कर रहे हैं, उसे यह कहते हुए दिखाया गया, आजादी के 78 साल बाद भी हमारी सोच, नजरिया उन्हीं लोगों के तलवे चाट रहा है, जिन्होंने लेश मात्र संकोच नहीं किया, हमारी पूरी सुरक्षा को खत्म करने की, हमारे अस्तित्व को मिटाने की। यह किरदार कहता है, यदि हम उन्हें आज नहीं उठाते, तो हमारा इतिहास और हमारा अस्तित्व सिर्फ सवाल बनकर रह जाएंगे। 'द ताज स्टोरी' में जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ और नमित दास जैसे अन्य कलाकार भी हैं।

आशापुरा धाम में अष्टमी पूजा व विशेष भोग अर्पण सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के बन्नरघट्टा रोड स्थित आशापुरा धाम में मंगलवार को पंडितजी द्वारा विशेष अभिषेक महामंडल, अष्टमी पूजा, स्वास्ति वाचन और होम यज्ञ संपन्न हुआ। पूजा के बाद कन्या भोज का आयोजन किया गया। मंदिर में विनायकजी एवं श्री खेतलाजी को 56 भोग अर्पित किए गए तथा माताजी को विशेष 108 भोग अर्पण किए गए। मंदिर प्रांगण में छोटे–छोटे बच्चों ने गणपति, खेतलाजी और माताजी के स्वरूप में वेशभूषा धारण कर प्रवेश किया और भोग अर्पण किया। दोपहर में मेहंदी वितरण व मेहंदी लगवाई का कार्यक्रम हुआ। शशम को माताजी की आरती, पथ श्रृंगार और दीपक अलंकरण का आयोजन हुआ। नवमी के मौके पर बारहवें ध्वजारोहण का आयोजन होगा।

मांजीसा उत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मांजीसा भक्त मण्डल ट्रस्ट द्वारा आरटी स्ट्रीट के निमिशाम्बा देवी कल्याण मंडप में आयोजित नवरात्रि महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत का सम्मान करते हुए ट्रस्ट के सदस्य। इस मौके पर मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर कहा कि नवरात्रि पर्व शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा के नव रूपों की आराधना व सनातन संस्कृति का पर्व है।

अनिक दत्ता ने नयी फिल्म को सत्यजीत रे को श्रद्धांजलि बताया, कहा: कहानी मौलिक

कोलकाता/एजेन्सी

प्रख्यात फिल्म निर्माता अनिक दत्ता ने कहा है कि हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'जोतो कांडो कोलकातातेई' प्रतिष्ठित बंगाली जासूसी फिल्म 'फेलुदा' के निर्माता सत्यजीत रे को श्रद्धांजलि है और अपने आप में एक मौलिक कहानी है। मल्टीप्लेक्स और सिंगल स्क्रीन पर अच्छा प्रदर्शन कर रही इस फिल्म का शीर्षक सत्यजीत रे की पुस्तक 'जोतो कांडो काठमांडूते' से लिया गया है, लेकिन इसमें एक नयी कहानी बुनी गयी है, जिसमें एक युवती अपने 'जैविक परिवार' को खोजने के लिए एक जासूस को काम पर रखती है।

दत्ता ने 'पीटीआई–भाषा' से बातचीत में कहा, ''एक तरह से हां, इसे श्रद्धांजलि कह सकते हैं... लेकिन मेरी लेखनी कुछ ऐसी है, जो फेलूदा कहानी का अहसास देती है, जबकि असल में वह खुद फेलूदा की कहानी नहीं है। मैंने यह महसूस किया कि मैं फेलूदा जैसी फिल्म को निर्देशित नहीं कर सकता, इसलिए यह रास्ता चुना।

'भूतेर भविष्यत' के निर्देशक ने इस बात पर जोर दिया कि कोलकाता स्वयं फिल्म में केंद्रीय भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, कोलकाता में घटित होने वाली घटनाओं के दौरान जहां शहर पृष्ठभूमि बन जाता है, वहीं कुछ स्थान और इमारतें स्वयं ही वह पात्र बन जाती हैं, जिनके बिना फिल्म आधी या अधूरी रह जाती। कुछ सिनेमाघरों में अबीर चटर्जी, काजी नवशाबा अहमद, रोजा पारोमिता डे और दुलाल लाहिड़ी अभिनीत यह फिल्म हाउसफुल रही है।

सिनेमा नहीं, सीधा पॉवर है ये! : रुक्मिणी

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई के कांतारा चैप्टर 1 प्रमोशन इवेंट में अदाकारा रुक्मिणी वसंत ने सबका ध्यान खींच लिया। फिल्म तो वैसे ही इंडियन सिनेमा का अगला बड़ा बम कहलाने लगी है, ऊपर से रुक्मिणी ने अपनी जर्नी शेयर करके महफिल ही लूट ली। मुझे गर्व है कि मेरी पहली चाल इतनी स्पेशल फिल्म के साथ है। जैसे सर ने हमारे मेकिंग वीडियो में बोला था ये सिर्फ सिनेमा नहीं, ये तो हमारी शुद्ध शक्ति है। और मुझे इस शक्ति का छोटा–सा हिस्सा बनाने के लिए मैं सर को दिल से थैंक्यू बोलती हूँ। और बस यही कहूँगी ये शक्ति हम सब फील कर रहे हैं।

फिल्म में रुक्मिणी कनकावती का रोल कर रही हैं ताक़त और नज़ाकत का तड़का एकदम परफेक्ट अंदाज़ में। लोग उनकी अदाकारी पर फिदा हो गए हैं कभी नाज़ुक तो कभी धाकड़, दोनों रूप झकास लगे। फैंस और क्रिटिक्स दोनों ने ही उनकी स्क्रीन प्रज़ेन्स पर जमकर तालियाँ बजाईं। सोशल मीडिया पर तो बस रुक्मिणीरुक्मिणी की गूंज है। लोग कह रहे हैं ये लड़की बनेगी इंडिया की अगली सुपरस्टार। कुल मिलाकर, कांतारा चैप्टर 1 के साथ रुक्मिणी वसंत ने कर ली है एक दमदार एंट्री और ये पैनइंडिया सफ़र अभी बस शुरू हुआ है! मीडिया से हँसतेमुस्कुराते रुक्मिणी बोलीं, सबसे पहले तो थैंक्स भैया कि आप सब यहाँ कांतारा सेलिब्रेट करने आए। मज़ा आ गया, दिल खुश हो गया। लेकिन सच बोलूं तो कांतारा हमारी पूरी टीम के लिए इमोशनल वाली फिल्म है।

छत्तीसगढ़ में फिल्म 'बलिदानी राजा गुरु बालकदास' को कर मुक्त करने की घोषणा

रायपुर/भाषा

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सतनामी समाज के प्रसिद्ध गुरु बालकदास पर बनी फिल्म 'बलिदानी राजा गुरु बालकदास' को राज्य में कर मुक्त करने की घोषणा की है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री साय सोमवार को राजधानी रायपुर के एक मॉल के सिनेमाघर में छत्तीसगढ़ी फिल्म 'बलिदानी राजा गुरु बालकदास' देखने पहुंचे। इस अवसर पर उनके साथ विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर रमन सिंह, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, विधायक और अन्य लोग मौजूद थे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 'बलिदानी राजा गुरु बालकदास' फिल्म साहस और शौर्य की अनुपम गाथा है। उन्होंने कहा कि गुरु बालकदास ने अंग्रेजों और पिंडारियों द्वारा किसानों पर किए जा रहे अत्याचार और भुखमरी के विरुद्ध न केवल संघर्ष किया, बल्कि समाज को संगठित करने का भी प्रयास किया। उन्होंने शिक्षा की अलख जगाने, सामाजिक सद्भाव को बढ़ाने और अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों का विरोध करने के साथ ही स्वतंत्रता संग्राम में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

साय ने इस अवसर पर घोषणा की कि फिल्म 'बलिदानी राजा गुरु बालकदास' को छत्तीसगढ़ में कर मुक्त किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक दर्शक इस प्रेरणादायी गाथा को देख सकें और अपने इतिहास तथा विरासत से जुड़ सकें। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमारा छत्तीसगढ़ राज्य प्रारंभ से ही वीर शहीदों और संत–महात्माओं की धरती रहा है। आवश्यकता है कि हम अपने महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के इतिहास को जानें और समझें।'' उन्होंने कहा कि यह फिल्म छत्तीसगढ़ की स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका, राज्य की समृद्ध संस्कृति, सामाजिक सद्भाव, अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष और जीवन की सहजता को अत्यंत सुंदर ढंग से प्रस्तुत करती है।

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ी सिनेमा की प्रतिभाओं की सराहना करते हुए कहा, ''हमारे कलाकार, निर्देशक और पूरी यूनिट मेहनत और लगन से कार्य कर रही है। यही कारण है कि छत्तीसगढ़ी सिनेमा आज दर्शकों के दिलों को छू रहा है।

संजय लीला भंसाली ने मुझे सिनेमा के बारे में सब कुछ सिखाया है : रणबीर

नयी दिल्ली/एजेन्सी

अभिनेता रणबीर कपूर का कहना है कि फ़िल्म निर्माता संजय लीला भंसाली ने उन्हें सिनेमा के बारे में सब कुछ सिखाया है और अभिनय की कला के बारे में वह कुछ जो भी जानते हैं उसका पूरा श्रेय भंसाली को जाता है। रणबीर कपूर ने अपने अभिनय की शुरूआत 2007 में रिलीज हुई संजय लीला भंसाली की फिल्म सांवरिया से की थी। और अब वह 18 साल बाद आगामी फिल्म लव एंड वॉर के लिए भंसाली के साथ काम कर रहे हैं। यह फिल्म 20 मार्च 2026 को रिलीज होगी। इसमें रणबीर कपूर अपनी पत्नी आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ नजर आएंगे। अपने 43वें जन्मदिन के मौके पर सोशल मीडिया मंच इन्स्टाग्राम पर लाइव

आए रणबीर कपूर ने अपने सह–कलाकारों और निर्देशक के बारे में बात की।

उन्होंने कहा, 'लव एंड वॉर' फिल्म का निर्देशन संजय लीला भंसाली ने किया है और इसमें मेरे पसंदीदा दो कलाकार विकी कौशल और मेरी पत्नी आलिया भट्ट हैं। रणबीर कपूर ने कहा, ''इस फिल्म का निर्देशन उस व्यक्ति ने किया है जिसने मुझे सिनेमा के बारे में सबकुछ सिखाया है। मैं अभिनय के बारे में जो भी जानता हूं उसका पूरा श्रेय उन्हें ही जाता है और वह तब भी गुरु थे।

मैं उनके साथ 18 साल बाद काम कर रहा हूं तथा वह आज और भी बड़े गुरु हैं। मैं उनके साथ काम करके बहुत खुश हूं। इस फिल्म में कौशल पहली बार भंसाली के साथ काम कर रहे हैं। इसमें आलिया भट्ट और भंसाली फिर से एक साथ काम कर रहे हैं। आलिया ने 2022 में भंसाली के निर्देशन में बनी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी में काम किया था। फिल्म में उन्होंने गंगूबाई काठियावाड़ी की भूमिका निभाई, जो एक महिला माफिया डॉन थी और कमाठीपुरा में एक वेश्यालय चलाती थी।

राम चरण को फिल्म उद्योग में 18 साल के सफर के लिए बधाई दी

नयी दिल्ली/एजेन्सी

मशहूर अभिनेता चिरंजीवी ने रविवार को अपने बेटे और अभिनेता राम चरण के फिल्म उद्योग में 18 साल पूरे होने पर उनके लिए एक भावुक संदेश लिखा और उनके ''अनुशासन, कड़ी मेहनत, लगन, विनम्रता और समर्पण'' की प्रशंसा की। चरण ने 2007 में रिलीज हुई ''चिरुथा'' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। जगन्नाथ द्वारा निर्देशित यह फिल्म हिट साबित हुई। इसके बाद अभिनेता ने ''आरआरआर'', ''रंगस्थलम'' और ''मगाधीरा'' ड्रुड्रुसहित कई अन्य फिल्मों में अभिनय किया।

चिरंजीवी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''चरण बाबू, मुझे बहुत खुशी है कि 18 साल पहले ''चिरुथा'' से शुरू हुआ आपका सिनेमाई सफर आज लाखों

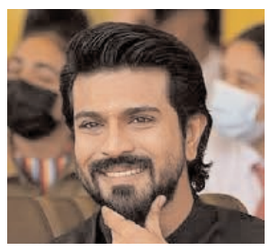

प्रशंसकों के दिलों में छा गया है। वो पल जब मैंने आपको पर्दे पर एक हीरो के रूप में देखा था... एक पिता के तौर पर मैं उसे कभी नहीं भूल पाऊंगा। आपके अनुशासन, कड़ी मेहनत, लगन, विनम्रता और समर्पण ने आपको फिल्मी दुनिया में और भी अलग पहचान दिलाई है।'' उन्होंने कहा, ''एक पिता होने के नाते, मुझे आप पर हमेशा गर्व रहेगा... तेलुगु दर्शकों के प्यार और ईश्वर के आशीर्वाद से आप और भी ऊंचाइयों को छूएं, यही कामना करता हूं...विजय।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | बुधवार | 01-10-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

कन्या भोज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु केरल पुडुचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन (टीकेपी) के साथ श्री माहेश्वरी महिला मंडल चेन्नई ने नवरात्रि के मौकेपर 29 सितम्बर कोचेटपेट स्थित सर्वोदय गर्ल्स हॉस्टल में कन्याओं को देवी स्वरूपा रूप में सम्मानपूर्वक तिलक कर भोजन कराया। बाद में गरबा का आयोजन किया। टीकेपी से शकुंतला मोहता, संगठन मंत्री शिवानी मुधड़ा, कार्यक्रम संयोजिका दीपाली मोहता ने सभी छोटी कन्याओं को उपहार दिया। महिला मंडल की अध्यक्ष ममता बागड़ी सचिव कुसुम मालपानी, पुष्पा मूंदड़ा, सुनीता डागा, सुनीता बिसानी, मंजुश्री मालपानी और कल्पना कालांत्री उपस्थित थे। ग्रीष्मा राठी का सहयोग सराहनीय रहा।

अनुष्ठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में सोमवार को तेरापंथ महिला मंडल किलपॉक के द्वारा मुनि श्री मोहजीत कुमार केसान्निध्य में जय सिद्ध शक्ति अनुष्ठान का आयोजन किया गया। अनुष्ठानकर्ताओं ने मुनि जयेश कुमार जी के साथ अनेक सिद्ध शक्ति जागरण मंत्रों का समुच्चारण किया। इससे पूर्व मुनिश्री भव्य कुमारजी ने नवाह्निक आध्यात्मिक अनुष्ठान का प्रयोग करवाया। इस मौके पर बडी संख्या में महिला मंडल की सदस्याएं उपस्थित थीं।

कल सजेगा माँ ज्वालामालिनी का दरबार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां संजीवनी ज्वाला सेवा मंडल, सैदापेट के तत्वावधान में सैदापेट के वीएस मुदली स्ट्रीट स्थित संघवी मैनकंवर मिलापचन्द नाहर भवन में 2 अक्टूबर विजयदशमी के मौके पर मंगलपाठ, जाप एवं जोत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मां ज्वालामालिनी के परम साधक बेंगलूरु के श्री गुरु सत्यज्वालाजी के सान्निध्य में श्री चन्द्रप्रभु भगवान की अधिष्ठायिका मां ज्वालामालिनी देवी का मंगल पाठ, जाप एवं जोत महोत्सव सायं 4.30 बजे से आयोजित किया जा रहा है।

बेंगलूरु के आरटीनगर क्षेत्र के चामुन्डीनगर स्थित संजीवनी ज्वालामालिनी के मंदिर की स्थापना वर्ष 2010 में गुरु सत्यज्वालाजी ने की है। यहां मां ज्वालामालिनी की श्वेतवर्ण प्रतिभा बहुत ही मनभावन और जागृत मूर्ति है। कार्यक्रम में भक्ति गीतों की प्रस्तुति के लिए छत्तीसगढ़ के दुर्ग से गायिका अंजु पारेख उपस्थित रहेंगी। मंडल ने सभी धर्मानुरागियों से अधिक संख्या में कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया है। अधिक जानकारी के लिए फोन नं. 9840320360 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

दक्षिण रेलवे में राजभाषा की दशा एवं दिशा पर बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के चेन्नई मंडल रेल प्रबंधक शैलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में 29 सितम्बर को हुई राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक हुई।

बैठक के दौरान सहायक साहित्य 'रोज़ एक हिंदी शब्द सीखें' का प्रकाशन मंडल रेल प्रबंधक शैलेन्द्र सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंदक अंकुर चौहान व अमुराधि एवं अन्य शाखा अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

इस मौके पर मंडल रेल प्रबंधक ने टिप्पण व आलेखन एवं हिंदी वार्तालाप (गैर हिंदी भाषी) कर्मचारियों को पुरस्कृत किया। बैठक में राजभाषा हिंदी की मदों पर अधिकारियों के साथ एक गंभीर और सुदीर्घ चर्चा की गई। बैठक ने अश्वस्त किया की दक्षिण रेलवे के चेन्नई मंडल में राजभाषा हिंदी के दशा और दिशा और भी सुदृढ़ की जाएगी।

बैठक का संचालन वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी बिनीता सोय ने किया।

महाष्टमी के हवन के साथ ही नवरात्रि महोत्सव सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां दाहिमा भवन स्थित मां दधिमती सेवा धाम में श्री मद्रास दाहिमा ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में नवरात्रि महोत्सव के दौरान भक्ति भाव के साथ उत्सव मनाया जा रहा है। दाधीमती महिला मंडल द्वारा प्रथम दिवस से अष्टमी दिन तक प्रति दिन माँ दाधीमती का मंगल पाठ किया। अष्टमी के रात विशेष जागरण के आयोजन में सूरत गुजरात से पधारे भजन कलाकार अजय एवं विजय की युगल जोड़ी ने भजन प्रस्तुतियां दी। माताजी थे तो आकर ओडो ए और मन घोड़लीयो मंगवा मारी माँ एवं रामजी की निकली सवारी भजनों में भक्तगण झूम उठे। नवरात्रि के शुभ अवसर पर अजय-विजय के द्वारा रचित चुनरी का भी एमपी3 और यूट्यूब पर चेन्नई दधीच समाज द्वारा विमोचन किया गया। महाअष्टमी के दिन हवन से ही नवरात्रि सम्पन्न हुई। उत्सव में न्यासी रघुनाथ हिसोडिया, वेंकटेश दाहिमा, लक्ष्मीनारायण काकड़ा, अध्यक्ष विनोद व्यास, उपाध्यक्ष शिवपाल मिसर, सह मंत्री कमल तिवारी, कोषाध्यक्ष नवरत्न व्यास, मुकेश पलोड, ओमप्रकाश मिसर, किशन तिवारी, गिरिधारी सूँठवाल, सुरेंद्र इंटोडिया, पवन रिनवा, प्रदीप तिवारी, मुकेश इंटोडिया, सीताराम सूँठवाल एवं अन्य सदस्य गणों ने भाग लिया। यह जानकारी सेवधाम के मंत्री नारायण दाहिमा ने जानकारी दी।

सिन्सियर सिंडिकेशन म्युचुअल फंड ने चेन्नई में विस्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सिन्सियर सिंडिकेशन म्युचुअल फंड ने चेन्नई में अपने नए कार्यालय का शुभारंभ किया है। सिंसियर सिंडिकेशन म्युचुअल फंड सैकड़ों परिवारों के विश्वसनीय भागीदार के रूप में विकसित है जो धन सृजन प्रबंधन उत्तराधिकार नियोजन और पीढ़ियों के बीच विरासत संबंधी सेवाएं प्रदान करता है। फर्म का साझेदारी मॉडल विश्वास स्थायी संबंधों और परिवारों के स्थायी मूल्य सृजन में मदद करने की दृष्टिकोण पर आधारित है। शुभारंभ अवसर पर सिंसियर सिंडिकेशन के सीईओ शिवरामकृष्णन सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सिद्ध पद आत्मा की अंतिम मंजिल : आचार्यश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में मंगलवार को नवपद ओली पर्व के दूसरे दिन का आयोजन हुआ। आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी म.सा. के सान्निध्य में श्रद्धालुओं ने सिद्ध पद की आराधना भक्ति भाव से संपन्न की। आचार्यश्री ने प्रवचन में कहा कि सिद्ध पद आत्मा की उच्चतम अवस्था है, जहां आत्मा सभी आठ कर्मों से मुक्त होकर शाश्वत सुख का अनुभव करती है। सिद्ध आत्माएं लोकाग्र के शीर्ष पर स्थित सिद्ध-शिला में विराजमान रहती हैं। उन्होंने बताया कि सिद्धों के आठ अनंत गुण आत्मा की शुद्धता को प्रकट करते हैं, वे हैं क्षायिक सम्यक्त्व, अनंत ज्ञान, अनंत दर्शन, अनंत वीर्य, अवगाहनत्व, सूक्ष्मत्व, अगुरुलघुत्व, अव्यबाधत्व। ये गुण आत्मा की शुद्ध अवस्था को दर्शाते हैं और सिद्ध अवस्था को प्राप्त करने वाले जीव इन गुणों से युक्त होते हैं। आरोग्य की निशानी लाल है, इसलिए सिद्ध भगवंत का वर्ण लाल है। सिद्ध पद के पांच अक्षर हैं, नमो सिद्धाणं। यह आत्मा की रज को साफ करता है।

आचार्यश्री ने कहा कि कर्मयोग से ध्यानयोग श्रेष्ठ है। जब तक तृष्णा है, तब तक दुःख ही है। यदि व्यापार में हानि हो जाए और धर्म मिल जाए, तो वह सच्चा लाभ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अरिहंत परमात्मा को महान इसलिए माना गया है, क्योंकि उन्होंने तीर्थ की स्थापना की है। वैसे सिद्ध भगवंत आठ कर्मों से मुक्त होकर बड़े हैं। निगोद जीव का निकास और विकास करने में सिद्ध भगवंत सहायक हैं। प्रवचन में उन्होंने जीवदया का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि हम स्वाद के मोह में असंख्य जीवों की विराधना करते हैं, जबकि जीवों को बचाना ही वास्तविक समृद्धि की पहचान है। जीवोत्पत्ति कर उन्हें मारकर खाना भारतीय संस्कृति नहीं है। उन्होंने कहा कि सम्यक दृष्टि आत्मा पाप करता है, पर वह निर्दोष कर्मबंध करता है। हम केवल स्वाद के वशीभूत असंख्य जीवों की विराधना करते हैं। जीवों को बचाना समृद्धि की निशानी है। हमें अपनी समृद्धि नहीं, जयणा को बताना है। आचार्यश्री ने सिद्धचक्र की महिमा पर भी प्रकाश डाला। सिद्धचक्र धर्मचक्र का आधार है। जिसके साथ सिद्धचक्र होता है, वह जीवन में कभी अटक नहीं सकता। सहनशीलता को जीवन का आभूषण बताते हुए उन्होंने कहा कि हर जीव में सहन करने की क्षमता है। हमें जयणा का भाव रखते हुए, सभी जीवों के प्रति करुणा और संवेदना विकसित करनी चाहिए। संघ के ट्रस्टी शिखर कोचर ने बताया कि आगामी 2 अक्टूबर को पाठशाला वार्षिकोत्सव दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा।

शेरोंन प्लाई द्वारा पूर्व सैनिकों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शेरोंनप्लाई द्वारा वार्षिक आई एम स्ट्रांग पुरस्कारों के छठे संस्करण का आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्र के गौरव के पीछे खड़ी आवाज की थीम पर सेवानिवृत्ति वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और रक्षा विश्लेषकों को सम्मानित किया गया।

जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान किया था। शहर के गुमड़ीपुडी में आयोजित इस कार्यक्रम में शेरोंनप्लाई आई एम स्ट्रांग 2025 पुरस्कारो द्वारा लेफ्टिनेंट जनरल एस हरिमोहन अय्यर एवीएसएम सेवानिवृत लेफ्टिनेंट जनरल दुष्यंत सिंह पीवीएसएम सेवानिवृत लेफ्टिनेंट जनरल पी आर शंकर वीएसएम सेवानिवृत्ति तथा मेजर जनरल राजीव नारायणन को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर शेरोंनप्लाई के प्रबंध निदेशक विष्णु खेमानी ने कहा कि शक्ति सदैव सक्रिय वर्दी में नहीं होती कभी-कभी यह विश्लेषण बुद्धिमत्ता और शांत विश्वास के माध्यम से भी जागृत होती है। उन्होंने कहा कि ये पूर्व सैनिक सेवानिवृत्ति नहीं हुए हैं बल्कि उन्होंने सेवा की नई परिभाषा दी है। जब पूरी दुनिया हमारे सैनिकों की सराहना करती है तब हमने भी ऐसे लोगों को सम्मानित करने का निर्णय लिया जिनके शब्दों ने मन एवं राष्ट्र को काफी मजबूत किया नीतियों को दिशा दी और नागरिकों को एकजुट किया ये सभी लोग हमारे राष्ट्रीय आत्मविश्वास के अदृश्य निर्माता है।

पवन कुमार राजपुरोहित राष्ट्रीय भाषा सेल के जिला अध्यक्ष नियुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी तमिलनाडु इकाई द्वारा पवन कुमार राजपुरोहित को सेंट्रल चेन्नई के राष्ट्रीय भाषा सेल का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राजपुरोहित सन 2022 में वार्ड नंबर 54 से बीजेपी के पार्षद पद के उम्मीदवार रह चुके है। जिसमें वह दूसरे स्थान पर रहे। पार्टी के प्रति समर्पित राजपुरोहित को राष्ट्रीय भाषा सेल के प्रदेश अध्यक्ष जयकुमार ने जिला अध्यक्ष पद का दायित्व सौंपा है। राजपुरोहित का चेन्नई सेंट्रल के राष्ट्रीय भाषा सेल के जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्ति होने से प्रवासियों एवं कमेटी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है।

विकट हालातों में भी सक्रिय बनाए रखती है सहनशीलता : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम में लॉयड्स रोड स्थित छाजेड भवन में विराजित श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने मंगलवार को आयोजित श्रुतज्ञान गंगा महोत्सव में भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराध्ययन सूत्र पर प्रवचन के दौरान कहा कि जीवन में शांति तभी संभव है जब भीतर में शक्ति और सामर्थ्य हो। भीतर से सामर्थ्य के ख़त्म होने पर व्यक्ति निराशा और हताशा का शिकार बन जाता है। जीवन की इस दुर्बलता को ख़त्म करने का एकमात्र उपाय है सहनशीलता।

मुनिश्री ने कहा कि जिंदगी के प्रत्येक मोर्चे का मुकाबला करने के लिए परिषह विजय की साधना बेहद जरुरी है। जीवन में आगत कष्ट, दुःख को समभाव से सहन करना ही परीषह विजय है। सहिष्णुता कमजोरी नहीं बल्कि व्यक्तित्व को निखारने वाला एक महत्वपूर्ण गुण है। इस गुण के अभाव में व्यक्ति की सभी विशेषता अर्थहीन हो जाती है। जिसे सहना आता है वही जीवन को जीना जानता है। सहनशीलता एक ऐसी क्षमता है जो हमें विकट हालातों में भी सक्रिय बनाये रखती है। सहिष्णुता की जीवन में बहुत ही उपयोगिता है।

मुनि श्री ने कहा कि यह दुनिया रंग बिरंगी और विचित्रता से भरी है यहाँ सब की रुचि, स्वभाव, विचार, रंग-रूप एक सामान नहीं होता। व्यक्ति को जीवन में अनेक कड़वे मीठे अनुभवों के दौर से गुजरना होता है। कभी खुशी, कभी गम, हार जीत, उत्थान-पतन हानि-लाभ, निंदा-प्रशंसा आदि का हमारे जीवन पर व्यापक असर पड़ता है और जीवन संघर्ष में अनेक उतार-चढ़ाव, विपदाएं, प्रतिकूलताएं सहनी होती है। इन प्रतिकूलताओं के चलते हमें हरपल आगे बढ़ना है तो सहनशक्ति का विकास करना होगा। सहन शक्ति के विकास से व्यक्ति शक्तिशाली और समर्थ बनता है। जीवन शक्ति और सहनशक्ति दोनों एक दूसरे के पर्याय है। प्रतिकूल विचार, व्यक्ति और परिस्थितियां को सहना ही सहिष्णुता है। सहिष्णुता अनेक सद्गुणों की जननी है। सहिष्णुता से जीवन शक्ति की वृद्धि होती है जो की आनन्द की अनुभूति का कारण बनती है। धीरता, गंभीरता, सहजता आदि सभी विशेषताओं का समावेश होता है। उन्होंने कहा कि प्रतिकूलताएं कष्ट, दुख, जीवन की परीक्षा है और जब हम इसमें उत्तीर्ण हो जाते हैं तो आनन्द मिलता है। व्यक्ति को सफल नहीं होने पर निराश होने के बजाय धैर्य का दामन थामना चाहिए। निरंतर अभ्यास के चलते सहनशीलता हमारे स्वभाव का एक अंग बन जाती है। फिर सब कुछ आसानी से सह लेने में किसी भी प्रकार की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ता। फिर सफलता व्यक्ति के क़दमों में हाजिर हो जाती है।

अध्यक्ष अमरचंद छाजेड ने बताया कि इसके पूर्व वीरस्तुति और उत्तराध्ययन सूत्र का पारायण किया गया। इस मौके पर शांतिलाल संकलेचा, विजयकुमार कोठारी, प्रकाशचंद ललवानी, कंवरलाल ललवानी, प्रसन्नचन्द ललवानी, प्रकाशचंद सिंघवी, गौतमचंद ललवानी, प्रेमचंद कोठारी, पदमचंद रांका, ललित संचेती, सतीश कोठारी,दिलीप चौपड़ा, जैन कॉन्फ्रेंस महिला शाखा की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा गोखरू, रतन बैद, अरुणा बैद, तारा गोलेछा, सरिता खिंवसरा, कमलेश कोठारी, आशा छाजेड़, रेणु चोरडिया, सरोजा सोलंकी आदि सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे। धर्म सभा का संचालन संघ मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

जब मंदिर बाढ़ पीड़ितों की मदद कर रहे हैं तो अन्य धर्मों के प्रार्थना स्थान क्यों नहीं : भाजपा

मुंबई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्ये ने मंगलवार को कहा कि राज्य में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए विभिन्न मंदिर आगे आए हैं, और प्रश्न किया कि अन्य धार्मिक समुदायों के पूजा स्थलों ने ऐसा सहयोग क्यों नहीं किया।

उपाध्ये ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि यह हिंदू या मुस्लिम का मुद्दा नहीं है, बल्कि संवेदनशीलता का मुद्दा है। उन्होंने कहा कि राज्य अत्यधिक बारिश और बाढ़ से ग्रस्त है, लाखों परिवार संकट में हैं और सैकड़ों लोग इस आपदा से तबाह हो गए हैं।

उपाध्ये ने कहा कि ऐसे कठिन समय में, कई हिंदू मंदिरों ने राज्य सरकार के साथ-साथ सीधे प्रभावित लोगों को बड़े पैमाने पर और पारदर्शी तरीके से सहायता प्रदान करके एक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा, राज्य में अन्य धर्मों के पूजा स्थल - दरगाह और मस्जिद - क्यों पीछे हैं? भले ही उनके प्रशासन के पास करोड़ों रुपए की धनराशि है, फिर भी मदद की कोई ठोस घोषणा क्यों नहीं की गई, धनराशि के बारे में कोई पारदर्शी जानकारी क्यों नहीं दी गई और बाढ़ पीड़ितों को कोई राहत क्यों नहीं दी गई? सवाल हिंदू या मुसलमान का नहीं है, सवाल संवेदनशीलता का है।

भाजपा नेता ने विशेष रूप से तुलजाभवानी मंदिर, शेगांव गजानन महाराज संस्थान और सिद्धि विनायक मंदिर का हवाला देते हुए कहा कि इन मंदिरों ने सामूहिक रूप से पारदर्शी तरीके से सरकार को करोड़ों रुपए की सहायता भेजी है। उन्होंने कहा कि कई मंदिरों, ट्रस्टों और सार्वजनिक संगठनों ने अपनी क्षमता के अनुसार संकटग्रस्त लोगों तक भोजन, धन और आवश्यक वस्तुएं पहुंचाईं, जिससे मानवता की भावना का प्रदर्शन हुआ।

गुस्से का अकाउंट ज़िंदगी से डिलीट करने मे ही भलाई है : डॉ. समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. ने मंगलवार को प्रवचन के दौरान मेना सुंदरी का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि कैसे छोटे-छोटे मतभेद और ग़लतफहमियाँ घर-परिवार में बड़े विवाद का कारण बन जाती हैं और गुस्से का अकाउंट ज़िंदगी से नहीं हटाया गया तो नुकसान गहरा होता है।

मुनिश्री ने आगे कहा कि बहुत बार छोटी-सी बात पर हम आत्मगौरव रख लेते हैं और क्षमा याचना करने से इनकार कर देते हैं। पर क्षमा याचना ही वह उपाय है जो भीषण गर्मी में ठंडक देने जैसा है - वह मन का बोझ हल्का कर देती है। उन्होंने कहा कि भले ही किसी बात में हमारी गलती न हो, फिर भी कभी-कभी आगे बढ़कर संवाद शुरू कर लेना, थोड़ा झुक जाना और शमा माँग लेना बेहतर होता है क्योंकि कई बार हम वर्षों तक मन में उसी बात को दबा कर रखते हैं और वह बोझ बनकर रहता है।

मुनिश्री ने यह भी कहा कि अगर घर से निकलने से पहले गुस्से का अकाउंट (मन का रिकार्ड) डिलीट नहीं किया गया तो छोटी-छोटी बातें भी बड़े काम बिगाड़ सकती हैं। इसलिए, गुस्से, हमले और बदले की भावना को दिल से निकाल देना ही भलाई है। साथ ही मंगलवार को नवरात्रि स्पेशल जाप का आठवाँ दिवस भी मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.